ROJGAR WITH ANKIT

History

इतिहास History

→ इति + ह + आस

→ ऐसा + ही + घटित हुआ था

→ ऐसा ही घटित हुआ था
It was happen.

→ इतिहास के पिता → हेरोडोट्स → Book - (Historica)
Father of History. (Herodotus)

Syllabus

→ सिन्धु घाटी सभ्यता → (Indus vally civilization)
→ वैदिक सभ्यता → (vedic civilization)
→ जैन धर्म → (Jainism)
→ बौद्ध धर्म → (Buddhism)
→ महाजनपद काल → (Mahajanpadas)
→ मगध साम्राज्य → (magadha Empire)

हर्षिनमोशुकान्ध्र

→ कु → कुषाण वंश (Kushan Dynasty)

→ गु → गुप्त वंश (Gupta Dynasty)

→ पु → पुष्यभूति वंश (Pushyabhuti Dynasty)

दक्षिण भारत का इतिहास (History of South India)

सिन्धु घाटी सभ्यता (Indus vally civilization)

(1) Hadppa civil
हड़प्पा सभ्यता
→ हड़प्पा स्थल की खुदाई सर्वप्रथम की गई

(2) नयी नगरीय सभ्यता
New urbencivil
→ विश्व की पहली शहरी सभ्यता
urben civiliz

(3) मेलुहा सभ्यता
meluha civil
→ मेसोपोटामिया के लोग पुकारते थे
mesopotamian spoke

(4) कांस्ययुगीन
Bronzeera
→ सर्वप्रथम इस युग में कांस्य धातु का प्रयोग हुआ

(5) सरस्वती
Saraswati
→ बहुत सारे स्थल इसी नदी के किनारे बसे हुये थे।

T + T = K

तांबा + टिन = कांस्य

उत्तर (North)

माण्डा (J.K) जिला ओरवनूर

नदी - चिनाब

1400

(west) पश्चिम

1600

दारक नदी

ब्लूचिस्तान

सुलकागेडीर

पूरब (East)

→ आलमगीर पुर

→ U.P (मेरठ)

→ नदी हिण्डन

दक्षिण (south)

हैमाबाद - M.H (अहमदनगर)

नदी - प्रवरा गोदावरी

उत्तर → माण्डा

उम

दक्षिण → हैमाबाद

दह

पूर्व → आलमगीरपुर

पुमा

पश्चिम → सुलकागेडीर

पसु

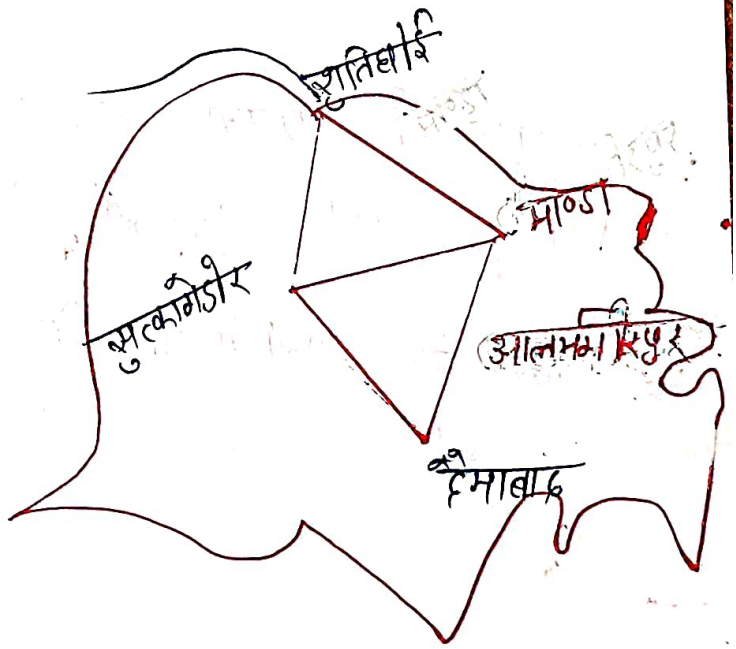

→ सिन्धु घाटी सभ्यता का आकार कैसा था

स्वतंत्रता से पहले
त्रिभुजाकार
(Triangular)

अब
चतुर्भुजाकार
(Quadrilateral)

→ 1826 ई० चार्ल्स मैसन

→ 1853-56 ई०

→ डलहौजी शासनकाल

→ अलेक्जेंडर कनिंघम

→ दयाराम साहनी

→ राखलदास बनर्जी

⇒ सिन्धु घाटी सभ्यता विश्व की पहली शहरी सभ्यता थी
Indus valty civilization was first urban civilization in the world.

⇒ 1826 ई० चार्ल्स मैसन ने इसकी जानकारी दी
charls mentaion gave this Information in 1826.

ROJGAR WITH ANKIT

1853-56 ई० के बीच कराची से लाहौर के मध्य रेलवे लाइन बिछायी जा रही थी तभी हड़प्पा के टीले के बारे में जानकारी मिली। अलेक्जेण्डर कनिंघम ने दयाराम साहनी के साथ मिलकर इसकी खुदाई की थी।

rojgar with Ankit

सिंधु घाटी सभ्यता #2

सिन्धु घाटी सभ्यता के अनाज (Gain) के साक्ष्य=

Trick जौ गेहूं चावल
जब गौरी चली
बनावली, रंगपुर, लोथल

R B G → हरा

Trick - नगर → नदी → सन → खोजकर्ता

- हरा → हड़प्पा — रावी → 1921 → दयाराम साहनी
- मौसी → मोहन जोदड़ो — सिन्धु नदी → 1922 → राखलदास बनर्जी
- सुदा → सुत्कागेडोर → दाश्क → 1927 → ऑरेल स्टाइन
- चांस → चन्हूदड़ो → सिन्धु → 1931-34 → गोपाल मजूमदार
- रम → रंगपुर → मदारनदी → 1953-54 → रंगनाथ राव
- रस → रोपड़ → सतलज → 1953 → V.D शर्मा
- कंघा → कालीबंगा → घग्घरनदी → 1953 → A घोष
- कोसी → कोटदीषी → सिन्धु → 1955 → फजल अहमद
- लोम → लोथल → भोगवा → 1957 → रंगनाथ राव
- आह — आलमगीर पुर → हिन्डन → 1956-57 → V.D शर्मा
- माचि → मांडा → चिनाब → 1976-77 → J.P जोसी

Note हड़प्पा को ऋग्वेद में हरियूपिया के नाम से जाना जाता था

सिन्धुघाटी के प्रमुख स्थल :- / Major sites of IVC

⇒ अफगानिस्तान (Afganistan) → ① शुर्तघोई (Surtghoi)
② मुण्डीगाक (Mundigak)

पाकिस्तान (Pakistan) ⇒

* हड़प्पा (Hadppa
* मोहनजोदड़ो (Mohan Joddo)
* बालाकोट
* दाबरकोट (Daber cot)
* सुत्कागेडोर (Sutcangedor)
* रानागुन्डई (Ranagundai)
* चन्हुदड़ो (Canhudaro

⇒ कश्मीर (Kashmir) → मांडा (manda)

⇒ राजस्थान (Rajsthan) → कालीबंगा (Kalibanga)

* पंजाब (Panjab) →
* रोपड़, बाडा, (Bada) संघोल (sanghal)
* उत्तर प्रदेश ⇒ बड़ा गाँव / आलमगीरपुर (Aalamgeerpur)
* हरियाणा (Haryana) → हिसार, कुणाल, बनावली, राखीगढ़ी
* गुजरात (Gujrat) ⇒ देशलपुर प्रभासपाटन (Prabhash patan)
(Rangpur) रंगपुर धौलावीरा (Daulaveera)
सुरकोटदा (Surkotda) लोथल (Lothal)

कॉसे की नृतकी ⇒ मोहनजोदड़ो

अग्निवेदिया ⇒ लोथल

अन्नागार ⇒ मोहनजोदड़ो

मातृदेवी ⇒ हड़प्पा

शिव की मूर्ति = हड़प्पा

Trick क्रम

आलू → लोथल

मोहे → हड़प्पा

आम → अग्निवेदिया (Fire Altar)

शाम → मातृदेवी की मूर्ति (statue of mother Goddess)

पाम → अन्नागार (Granary)

साम → शिव की मूर्ति (Shivji statue)

→ पुजारी की मूर्ति (Priest Statue)

→ सूती वस्त्र cotton clothes

→ स्नानागार swimming pool

मोहनजोदड़ो

ROJGAR WITH ANKIT

History

Q रोपण किस नदी के किनारे स्थित है -

Q चन्हुदड़ो किस नदी के किनारे है -

हड़प्पा (Hadppa)

स्थान → पंजाब प्रान्त (PAK)
खोजकर्ता → दयाराम साहनी

① पूर्वी टीला (Eastern mound)

② पश्चमी टीला (western mound)

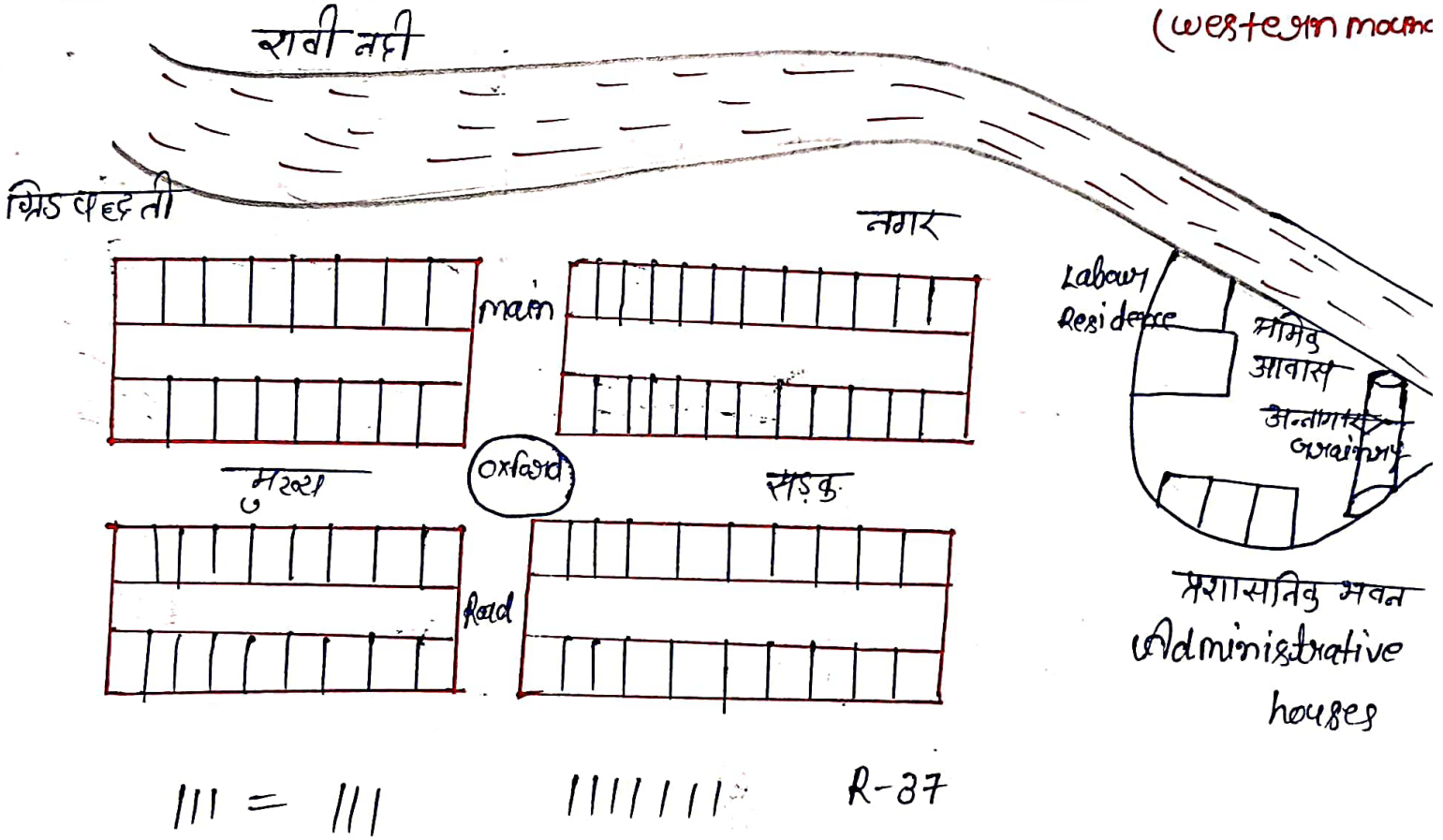

||| = ||| |||||||| R-37

मोहनजोदड़ो (mohanjodaro)

- अर्थ (meaning) → मृतकों का टीला (mound of Dead)
- स्थान (Location) → सिंध प्रांत (Pakistan)
- खोजकर्ता – राखलदास बनर्जी (1922 ई०)
- सबसे बड़ा सार्वजनिक स्थल – (Great Bath) (Largest Public place)
- l × b × h
- 11 × 7 × 2 mt

Great Bath

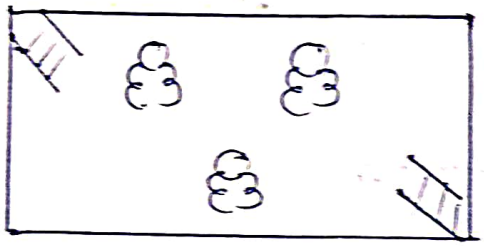

चन्हूदड़ो

→ स्थान – (Location) → पाकिस्तान (Pakistan)

→ खोजकर्ता – → गोपाल मजूमदार

→ नदी – River → सिन्धु Sindhu

→ एकमात्र नगर जोकि दुर्गरहित था (Only city without fort)

→ यह एक औद्योगिक शहर था (It was an Industrial city)

→ हाथी का खिलौना (Elephant toy)

→ वक्राकार ईंटो के साक्ष्य (evidence of curvature Bricks)

लोथल (Lothal)

→ स्थान (Location) → गुजरात (Gujrat)

→ खोजकर्ता → रंगनाथ राव

→ नदी (River) → भोगवा

→ बंदरगाह (Port)

→ घोड़े की मूर्ति (Horse statue)

→ चावल का दाना (Grain of rice)

→ युगल समाधि

ROJGAR WITH ANKIT

Note - एकमात्र शहर जिसके दरवाजे सड़क की ओर खुलते थे।

रोपड़ (Ropar)

- स्थान - पंजाब (Punjab)
- खोजकर्ता - ~~रंगनाथ राव~~
- नदी (River) - सतलज नदी

Note - मानव के साथ कुत्ता दफनाने के साक्ष्य मिले है।

कालीबंगा (Kalibanga)

- स्थान (Location) → राजस्थान (Rajasthan)
- खोजकर्ता → A घोष
- नदी → घग्घर
- काले रंग की चूड़िया (Black Baigals)
- सजी हुई ईंटे (Decorated Bricks)

- जुते हुये खेत - Plough field
- ऊंट की हड्डिया - Camel Bones
- पूजा (worship - पशुपति (Lord of all animals)
- देवी (Goddess - उर्वरता की देवी (Goddess of fertility)
- पशु (Animal - कूबड़ वाला सांड़ (Humbed Bull)
- समाज (Society - मात्र सत्तात्मक (matriarched)
- मृद्भाण्ड (clay pot - लाल व काले (Red & Black)
- मनोरंजन (Entertainment) - शिकार (Hunting)
  संगीत (Singing)
  नृत्य (Dancing)
- बंदरगाह (Port) - लोथल (Lothal)
- बड़ी इमारत (Largest Building) - अन्नागार (Granary)
- फसल (Rops) - जौ, गेहूं, चावल, कपास
- जुड़वा नगर (twin cities) - हड़प्पा व मोहनजोदड़ो
- लिपि (Script) - अज्ञात (unknown)
- व्यवसाय - ?

ROJGAR WITH ANKIT

History 1500 BC – 1600

वैदिक सभ्यता (vedic civilization)

- ऋग्वैदिक काल (1500 – 1000 BC) — Rigvedic Period
- (1000 – 600) उत्तरवैदिक काल — Post vedic Period

लोहे की खोज उत्तरप्रदेश स्थित जिले अतरंजीखेड़ा मे हुई थी।

→ आर्यों के आगमन की वजह से इसे आर्य संस्कृति भी कहते है। Due to Arrival of Aryans its called Aryan culture.

आर्य — श्रेष्ठ अथवा कुलीन
↳ आर्य → The best or Nobel

विद्वान	मूल निवास स्थान
→ स्वामी दयानंद सरस्वती	तिब्बत
→ बाल गंगाधर तिलक	उत्तरी ध्रुव
→ प० गंगाधर शा	ब्रह्मर्षि देश
→ L. D कल्ला	कश्मीर
→ डा० सम्पूर्णानंद	सप्त सैंधव
→ मैक्समूलर	मध्य एशिया

→ वेदों की रचना – महर्षि कृष्ण द्वैपायन वेदव्यास

→ वेदों की संख्या – 4

1. ऋग्वेद
2. यजुर्वेद
3. सामवेद

→ वेद त्रयी

4. अथर्ववेद

→ ऋग्वेद – → ऋक् – श्लोक / छन्दोबद्ध रचना

→ मण्डल – 10

→ सूक्त – 1028

→ श्लोक – 10580

(Repeated) दोहराए – 110

कुल – 10462

→ सबसे प्राचीन वेद –

→ 2, 3, 4, 5, 6, 7 प्राचीन मंडल

→ 1, 8, 9, 10 – नये मण्डल

→ देवी देवताओं की स्तुती की गई है।

→ ऋग्वेद के मंत्रों का पाठ करने वाला पुरोहित होत / होता कहलाता है।

→ ऋग्वेद का ब्राह्मण ग्रन्थ ऐतरेय / कौषीतकीय था।

→ ऋग्वेद का उपवेद आयुर्वेद

→ सर्वश्रेष्ठ नदी – सरस्वती (नदीतमा)

→ 10 वें मण्डल में यमुना का तीन बार गंगा का एक बार सिन्धु का 30 बार उल्लेख किया गया –

→ यमुना का 3 बार
→ गंगा का 7 बार
→ सिन्धु का 30 बार

→ असतो मा सद्गमय ऋग्वेद से लिया गया है।
→ गायत्री मंत्र तीसरे मण्डल से लिया गया है।
→ सातवें मण्डल में दशराज्ञ युद्ध का वर्णन
→ नौवें मण्डल सोम देवता को समर्पित है।
→ 10 वां मण्डल पुरुष सूक्त —

ROJGAR WITH ANKIT

History

सामवेद (Samaveda)

साम का अर्थ - गान

meaning of Sama - Singing

- सामवेद को भारतीय संगीत का जनक कहा जाता है।
  Samaveda is a father of Indian Singing.
- सामवेद के मंत्र सूर्य देवता को समर्पित है।
- पुरोहित (Priest) - उद्गाता
- उपवेद (Upveda) - गन्धर्ववेद (Gandharaved)

  कुल मंत्र - 1875

  7 सुर - सा, रे, गा, मा, पा, धा, नि

यजुर्वेद - (Yajurveda)

अर्थ - यज्ञ

- इस वेद में यज्ञ एवं बलि (Sacrifice) आदि के लिये मंत्रों का विधान है।
- वाजपेय एवं राजसूय यज्ञ का वर्णन है।
- पुरोहित (Priest) - अध्वर्यु
- उपवेद - धनुर्वेद होगा

→ यह गद्य (Prose) एवं पद्य (Poetry) दोनों मे लिखा गया है।
कृष्ण एवं शुक्ल शाखाओं में विभाजित है।

अथर्ववेद (Atharvaved) —

- नाम 'अथर्वा' ऋषि के नाम पर रखा गया था।
- इस वेद में जादू-टोना वशीकरण भूत प्रेत एवं औषधियों का वर्णन है।
- इसे ब्रह्म एवं श्रेष्ठ वेद भी कहते है।
- सभा एवं समिति को प्रजापति की 2 पुत्रिया कहा गया है।

ब्राह्मण → गोपथ
उपवेद → शिल्पवेद
पुरोहित → उद्गाता

उपनिषद → समीप, ध्यानपूर्वक, बैठना — गुरु
Sit carefully near the Guru.

संख्या — 108
भारतीय दार्शनिक विचारों का संग्रह

- अश्वमेध यज्ञ – बृहद् आरण्यकोपनिषद्
- सत्यमेव जयते – मुण्डकोपनिषद्

वेदांग (Vedang)

- पहली बार वैदिक साहित्य को 6 भागों में विभाजित किया गया था।
  firstly vedic litrature was devided into 6 Part.

- ज्योतिष – आँख
- शिक्षा – नाक
- व्याकरण – मुख
- कल्प – हस्त
- निरुक्त – कान
- छन्द – पैर

आश्रम व्यवस्था –
अर्थ श्रम के बाद विश्राम
(Rest after Labour)

छान्दोग्य उपनिषद् – 3 आश्रम का उल्लेख है।
जबालोपनिषद – 4 आश्रम का उल्लेख है।

100/4

① ब्रह्मचर्य आश्रम → जन्म - 25 वर्ष तक
② गृहस्थ आश्रम → 25 - 50 तक
③ वानप्रस्थ आश्रम → 50 - 75 तक
④ संन्यास आश्रम → 75 - 100 (मृत्यु तक)

संस्कार - 16 Sanskar

1. गर्भाधान
2. पुंसवन
3. सीमान्तोन्नयन
4. जातकर्म
5. नामकरण
6. निष्क्रमण
7. अन्नप्रसादन
8. मुण्डन चूड़ाकर्म
9. कर्णभेदन
10. विद्यारम्भ
11. उपनयन
12. वेदारम्भ
13. केशान्त
14. समावर्तन
15. विवाह
16. अन्त्येष्टि

• गृह सूत्र साहित्य 8 प्रकार के विवाहों का वर्णन है।

1. ब्रह्म विवाह - (Brahama marriage)
सबसे उत्तम विवाह, आज भी प्रचलित है। इसमें पिता वर को घर बुलाकर अपनी कन्या उसे सौंप देता है।

2- दैव विवाह (Dev marriage)

जो ब्राह्मण यज्ञ सम्पादन कराता था पिता अपनी उसे सौंप देता था।

3- प्रजापत्य विवाह — (Prajapatiya marriage)

पिता वर से वचन बद्धता लेकर अपनी कन्या उसे सौंप देता था।

4- आर्ष विवाह — (Arish marriage)

पिता वर से एक गाय एवं बैल की जोड़ी लेकर अपनी कन्या उसे सौंप देता था।

5- गन्धर्व विवाह (Gandharva marriage)

प्रेम विवाह — (Love marriage)

6- असुर विवाह — (Asura marriage)

पिता कन्या की बिक्री कर देता था।

7- राक्षस विवाह — (Rakshas marriage)

कन्या का अपहरण करके विवाह -

8- पैशाच विवाह — (Paisach marriage)

जैन धर्म (Jainism)

जिन → अर्थ - इन्द्रियों का विजेता

→ परम्परा के अनुसार जैन धर्म मे कुल २४ तीर्थंकर हुए है।
According to tradition there have been 24 tirthankar in Jainism.

→ जैन धर्म के संस्थापक - ऋषभदेव
founder of Jainism (Rishabhdev)
(वास्तविक संस्थापक) - महावीर स्वामी → जन्म - अयोध्या
(Real founder) - (Mahaveer Swami)

२४वें तीर्थंकर थे → **महावीर स्वामी (Mahaveer Swami)** - जैन धर्म के वास्तविक संस्थापक थे

→ जन्म (Birth) → 540 BC वैशाली कुण्डग्राम
→ माता (mother) → त्रिशला (Trishla)
→ पिता (father) → सिद्धार्थ (Siddartha)
→ पत्नी (wife) → यशोदा (Yashoda)
→ पुत्री (Daughter) → प्रियदर्शना (Priyadarshna)
→ दामाद (Son-in-law) → जामालि (Jamali)

→ बचपन का नाम (childhood name) → वर्धमान (Vardhman)

→ गृह त्याग (Abordenment) → 30 वर्ष की अवस्था में बड़े भाई नन्दिवर्धन की आज्ञा लेकर

- ज्ञान प्राप्ति (Enlightment) → 42 वर्ष की अवस्था में
- उपाधि (Title) → केवलिन, जिन, अर्हत, निग्रन्थ
- मृत्यु (Death) → 468 BC 72 वर्ष की उम्र में राजगृह के समीप पावापुरी नामक स्थान में
- भाषा (Language) → प्राकृत

जैन धर्म के 5 व्रत –

- सत्य (Truth) → झूठ नहीं बोलना चाहिए (Don't tell a lie)
- अहिंसा (Ahinsa) (non-voilance) → हिंसा (voilance) नहीं करनी चाहिए
- अस्तेय (Astaya) → चोरी नहीं करनी चाहिए
- अपरिग्रह (Aparigrah) → धन इकट्ठा नहीं करना चाहिए (Dont collect welth)
- ब्रह्मचर्य – (Celibacy) → ज्ञान प्राप्त करना Gaining knowledge.

जैन धर्म के ज्ञान / Knowledge of Jainism -

1. मतिज्ञान (mindknowledge) - इन्द्रियों से मिलने वाला ज्ञान।
2. श्रुतिज्ञान (Shruti – ") - सुनकर मिलने वाला ज्ञान
3. अवधि ज्ञान – (Avadhi –") दिव्य ज्ञान
4. मन: प्रयाय – (mana Paryaya) – दूसरों की मन की बात जानना -

5. कैवल्य ज्ञान (Kavalya —) — निर्ग्रन्थों से मिलने वाला ज्ञान।

जैन धर्म का विभाजन / Devision in Jainsm

300 BC

श्वेताम्बर (Swetamber)

श्वेत + अम्बर

सफेद + वस्त्र
(White) (clothes)

नेतृत्वकर्ता → स्थूलभद्र
(Leader)

दिगम्बर (Digamber)

दिक् + अम्बर

दिशाएं + वस्त्र

नेतृत्वकर्ता → भद्रबाहु
(Leader)

मोक्ष प्राप्ति के लिए त्रिरत्न – (Triratna)

सम्यक् दृष्टि – (Samyak Drashti)

सम्यक् ज्ञान – (Samyak Gyan)

सम्यक् चरित्र – (Samyak charitra)

ROJGAR WITH ANKIT

बौद्ध धर्म / Buddhism

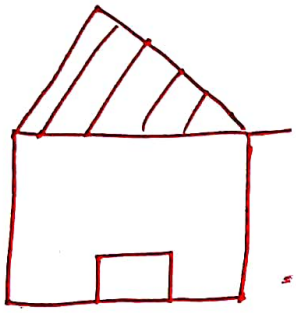

कपिलवस्तु - लुम्बिन - नेपाल

राजा शुद्धोधन — विवाह — रानी महामाया

मौसी प्रजापति गौतमी (पालन पोषण)

पुत्र

विवाह — सिद्धार्थ → आसित ब्राह्मण ने नाम रखा था

(अर्थ - जिसकी इच्छाएं पूरी हो चुकी हो।

यशोधरा

पुत्र - राहुल

जन्म (Birth) - 563 BC

जन्म स्थान (Birth place) - कपिलवस्तु लुम्बिन (नेपाल)

माता (mother) - महामाया (mahamaya)

पिता (father) - शुद्धोधन (Suddhadhan)

पालन पोषण (upbringing) - प्रजापति गौतमी (Praja pati Gautmi)

बचपन का नाम (childhood name) - सिद्धार्थ (Siddartha)

विवाह (marriage) - 16 वर्ष की आयु में

ROJGAR WITH ANKIT

पत्नी (wife) - यशोधरा

सारथी - चन्ना

घोड़ा - कंथक

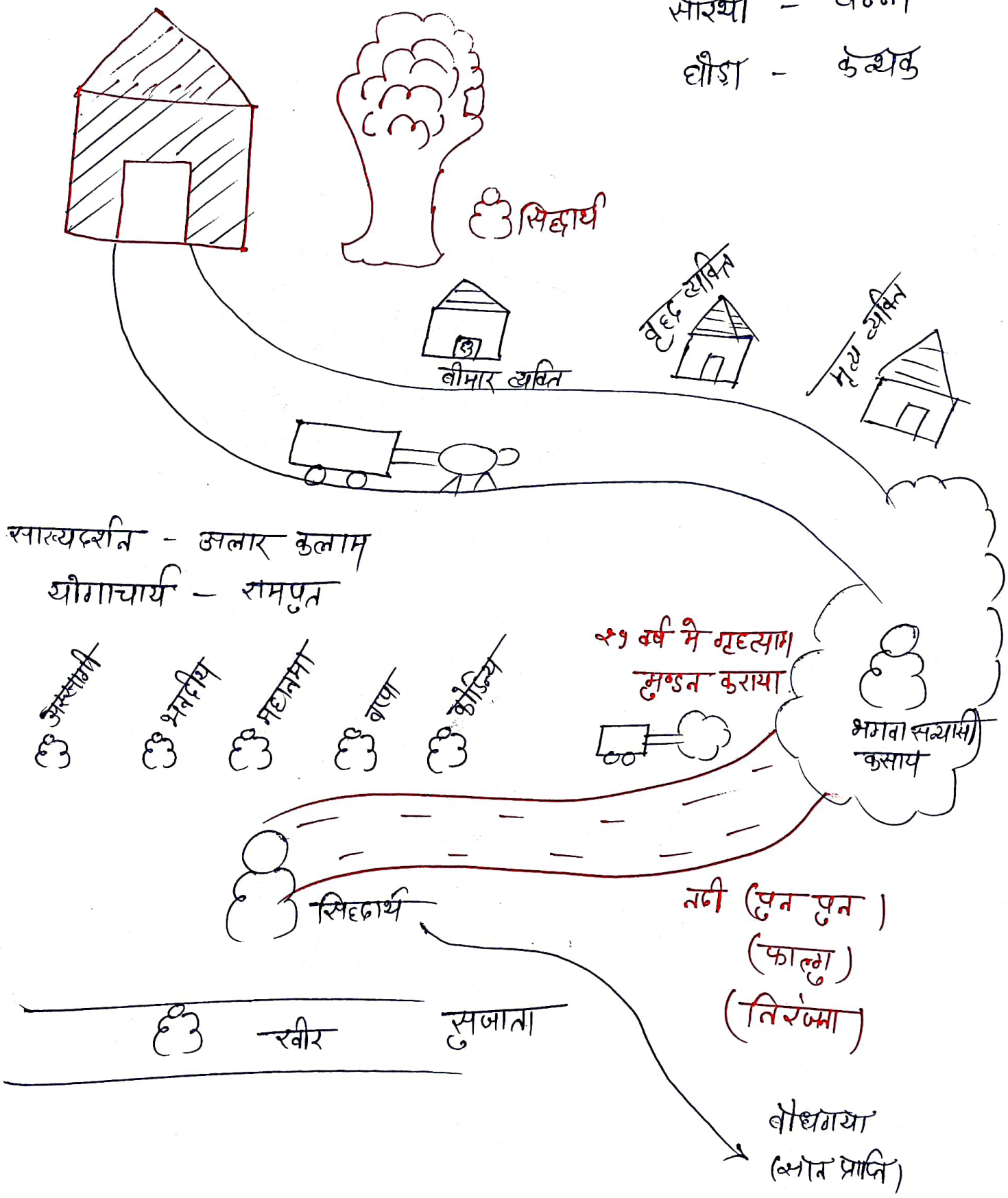

- पुत्र (Son) → राहुल
- जीवन सम्बंधी 4 दृश्य – बीमार व्यक्ति / वृद्ध / मृत / संन्यासी (Hermit)
- सारथी (Rider) – चन्ना / छन्दक
- घोड़ा (Horse) – कन्थक
- गुरु (Guru) – अलारकलाम / रामपुत
- गृह त्याग (Abondenment – 29 वर्ष की अवस्था में
- ज्ञान प्राप्ति (Gaining Knowledge) – 35 वर्ष की अवस्था में (बोधगया)

- प्रथम उपदेश – सारनाथ – धर्मचक्र परिवर्तन
- प्रिय शिष्य – आनंद
- प्रजापति गौतमी
- नगरवधू – आम्रपाली
- प्रथम डाकू – अंगुलिमाल (श्रावस्ती)

- प्रथम उपदेश (speech) - सारनाथ
- घटना - धर्मचक्र परिवर्तन
- भाषा (Language) - पाली
- प्रिय शिष्य (The best Student) - आनंद
- संघ में महिलाओं का प्रवेश (female entry) - आनंद के कहने पर
- बौद्ध धर्म अपनाने वाली नगर वधू - आम्रपाली
  डाकू - अंगुली माल
- मृत्यु (Death) - 483 BC कुशीनगर

ROJGAR WITH ANKIT

बौद्ध संगीतियाँ / Buddhist council

संगीती	सन्	स्थान	अध्यक्ष	शासनकाल
1	483 BC	राजगृह	मा- महाकश्यप	अ- अजातशत्रु
2	383 BC	वैशाली	सा- सब्बाकामी	का-, कालाशोक
3	250 BC	पाटलिपुत्र	मो-मोग्गिलपुत्त तिस्य	अ - अशोक
4	प्रथम शताब्दी	कुण्डलवन	व- वसुमित्र	क - कनिष्क

महात्मा बुद्ध की शिक्षाएँ - (Education of mahatma Buddha)

दुःख - संसार दुःख से भरा हुआ है।
दुःख समुदाय - अज्ञानता व तृष्णा दुःखो का कारण है
दुःख निरोध - दुःखो पर विजय प्राप्त की जा सकती है।
दुःख निरोधगामिनी - आष्टांगिक मार्ग के द्वारा ।

बौद्ध धर्म के प्रमुख ग्रन्थ - (Literature)

सुत्तपिटक (Suttapitak)

→ उपदेशों एवं संवादों का संकलन

विनय पिटक - (Vinaypitak)

आचार विचार एवं नियमों का संकलन -।

अभिधम्म पिटक (Abhidhammapitak)

आध्यात्मिक एवं दार्शनिक विचारों का संग्रह -।

हीनयान (Heenyan

मूर्ति पूजा नहीं

श्रीलंका, थाईलैण्ड, बर्मा आदि।

महायान (Mahayana)

महात्मा बुद्ध की मूर्ति पूजा की जाती है।

जापान, तिब्बत, कोरिया आदि।

वज्रयान (Vajrayana)

तंत्र-मंत्र एवं जादू टोना आदि का विशेष विधान था। मुख्य देवी तारा थी।

बुद्ध के जीवन से जुड़े कुछ प्रतीक —
(Some Symbols related to Buddhe life —

कमल (Lotus) जन्म

हाथी (Elephant) गर्भ में आने का

सांड (Bull) — जवानी यौवन

शेर (Lion) — समृद्धि

घोड़ा (Horse) — गृह त्याग

पदचिन्ह — इच्छाओं का त्याग

चक्र — प्रथम उपदेश

स्तूप — मृत्यु

स्तूप

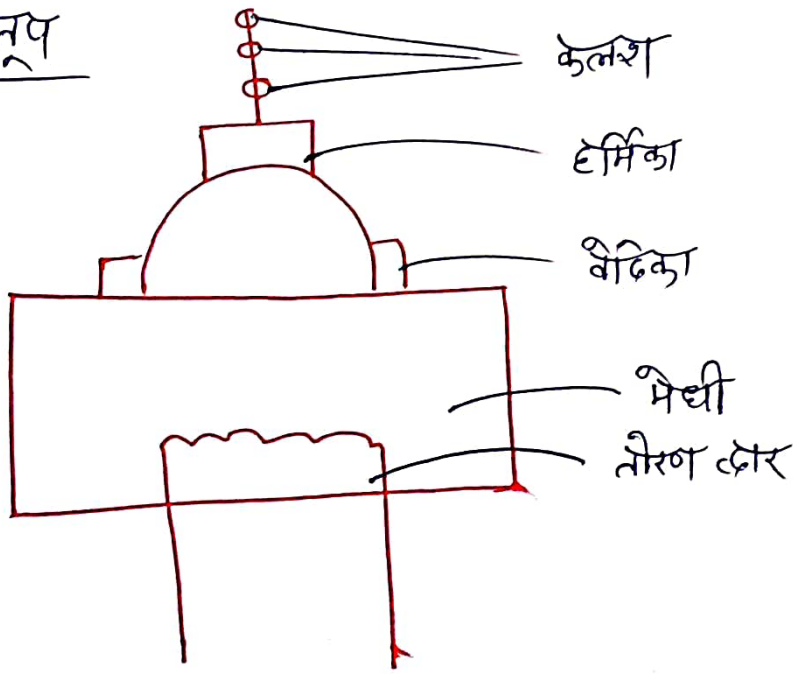

विश्व का सबसे बड़ा स्तूप — बोरोबदूर स्तूप (इंडोनेशिया)

भारत का सबसे बड़ा स्तूप — भरहुत स्तूप (M.P)

बौद्ध धर्म अपनाने वाले शासक -

B - बिम्बसार (Bimbsar)
A - अजातशत्रु (Ajatshatru)
P - प्रसेनजीत (Prasenjeet)
U - उदयन (Udiyan)
K - कनिष्क (Kaniska)
A - अशोक (Ashoka)
HATH - हर्षवर्धन (Harshvardhan)

बौद्ध धर्म के विरोधी शासक -

1. शशांक (Sasank)

बंगाल का शासक था -
बोधि वृक्ष को कटवा दिया था

मिहिरकुल (Mihirkul)

हूण शासक था।
बौद्ध विहारों को नष्ट करवा दिया था।

बौद्ध धर्म से सम्बंधित विश्व विद्यालय -

1. नालंदा विश्वविद्यालय - कुमार गुप्त (Kumargupta)

2. विक्रमशिला (Vikramshila) — धर्मपाल (Dharmapal)

3. वल्लभी (Vallabhi) — मैत्रक राजाओ द्वारा

4. ओदंतपुरी — — गोपाल द्वारा बनवाया गया था

ROJGAR WITH ANKIT

मगध साम्राज्य - (MAGADHA EMPIRE)

हर्यंक वंश
शिशुनाग वंश
नंद वंश
मौर्य वंश
शुंग वंश
कण्व
आन्ध्रसातवाहन

हरिनमौशकान्ध्र

हर्यंक वंश - (Haryank Dynasty)

पितृ हंता वंश (Patricide)

संस्थापक (founder) - बिम्बसार (Bimbsar)

बिम्बसार (Bimbsar) - (544 - 492) BC

→ इसने साम्राज्य विस्तार (empire extantion) विवाह करके किया।

→ उपनाम (Nick name) - श्रेणिक (Shrameek)

1- वैशाली की राजकुमारी (Vaishali Princess) लिच्छवी

2. कौशल राजकुमारी - कोशला देवी

3- पंजाब की राजकुमारी - क्षेमा

राजधानी (capital) — राजगृह

दरबारी वैद्य (Doctor) — जीवक

हत्या - अजातशत्रु

अजातशत्रु (Ajatshatru)

उपनाम (Nickname) - कुणिक (Kuneek)

युद्ध हथियार (war weapon) - रथमूसल, महाशिलाकंटक

काशी महाजनपद अपने साम्राज्य में मिला लिया -

महात्मा बुद्ध की मृत्यु इन्हीं के शासन काल में हुई थी।

उदयिन (Udyan) - (461 460 — 444) BC

पाटलिपुत्र की स्थापना करके उसे अपनी राजधानी बनाया।

नागदत्त (444 - 412) BC

हर्यक वंश का अंतिम शासक (Last Rular)

हत्या - शिशुनाग

ROJGAR WITH ANKIT

शिशुनाग वंश (Sisunag Dynasty)

शिशुनाग - (412 - 394) BC

इस वंश का संस्थापक था (founder)

अवंति एवं वत्स महाजनपद को जीतकर मगध मे मिला लिया

कालाशोक (Kalashok) - (394 - 344) BC

उपनाम (Nickname) - काकवर्णी

राजधानी (capital) - पाटिलपुत्र

इसके शासन काल मे ही बौद्ध धर्म की दूसरी संगीति आयोजित की गयी थी।

नंद वंश (Nand Dynasty)

(344 - 321-22) BC

यह एक शूद्रक वंश है

संस्थापक (founder) - महापद्मानंद

ROJGAR WITH ANKIT

महापद्मानंद (Mahapadmanand)

मगध का सर्वशक्तिशाली शासक (most powerful Ruler)

सर्वक्षांतक - क्षत्रियों का नाश करने का कारण

उग्रसेन - अधिक गुस्से के कारण

अग्रसेन - अनगिनत सेना के कारण

कलिंग की सर्वप्रथम विजय इसी के द्वारा की गई थी।

पाणिनी इसी के दरबार मे रहते थे।

घनानंद (Ghananand)

धनी और शक्तिशाली शासक था।
(wealthy & powerful Ruler)

यूनानी इतिहास कार इसे अग्रमणि कहते थे।

सिकंदर ने भारत पर आक्रमण किया (Attack)

भरे दरबार में चाणक्य का अपमान किया था।

ROJGAR WITH ANKIT

महाजनपद काल (Mahajanpadas)

अव — अंग (चम्पा), वज्जि (वैशाली)

अपाचे — अवंति, पांचाल, चेदि (शक्तिमती)

का — काशी (वाराणसी)

गॉव — गांधार (तक्षशिला), वत्स (कौशाम्बी)

कुसम — कुरु (इन्द्रप्रस्थ), शूरसेन (मथुरा), मगध (गिरिव्रज)

की — कोशल (श्रावस्ती)

कम — कम्बोज (राजपुर दाटक), मल्ल (कुशीनारा)

आम — अश्मक (पाटन पोत्ली), मत्स्य (विराटनगर)

देगा

अपाचे — उज्जैनी, महेष्मती, अस्सिक, काम्पिल्य

बौद्ध ग्रन्थ — अंगुत्तर निकाय
जैन ग्रन्थ — भगवती सूत्र
} 16

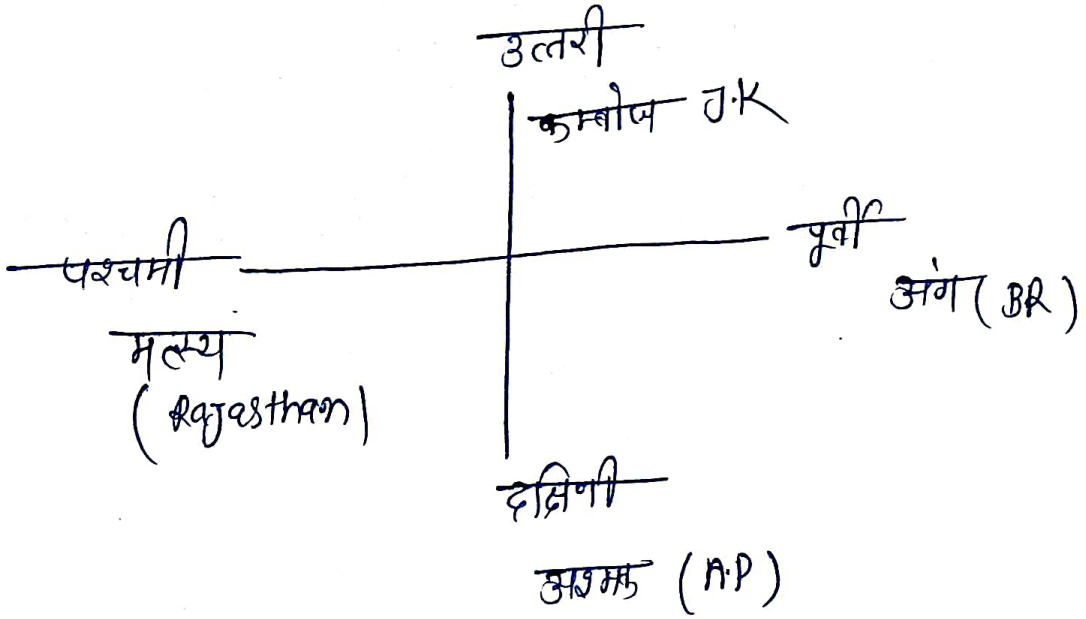

ROJGAR WITH ANKIT

History

(मौर्य साम्राज्य / Maurya Empire)

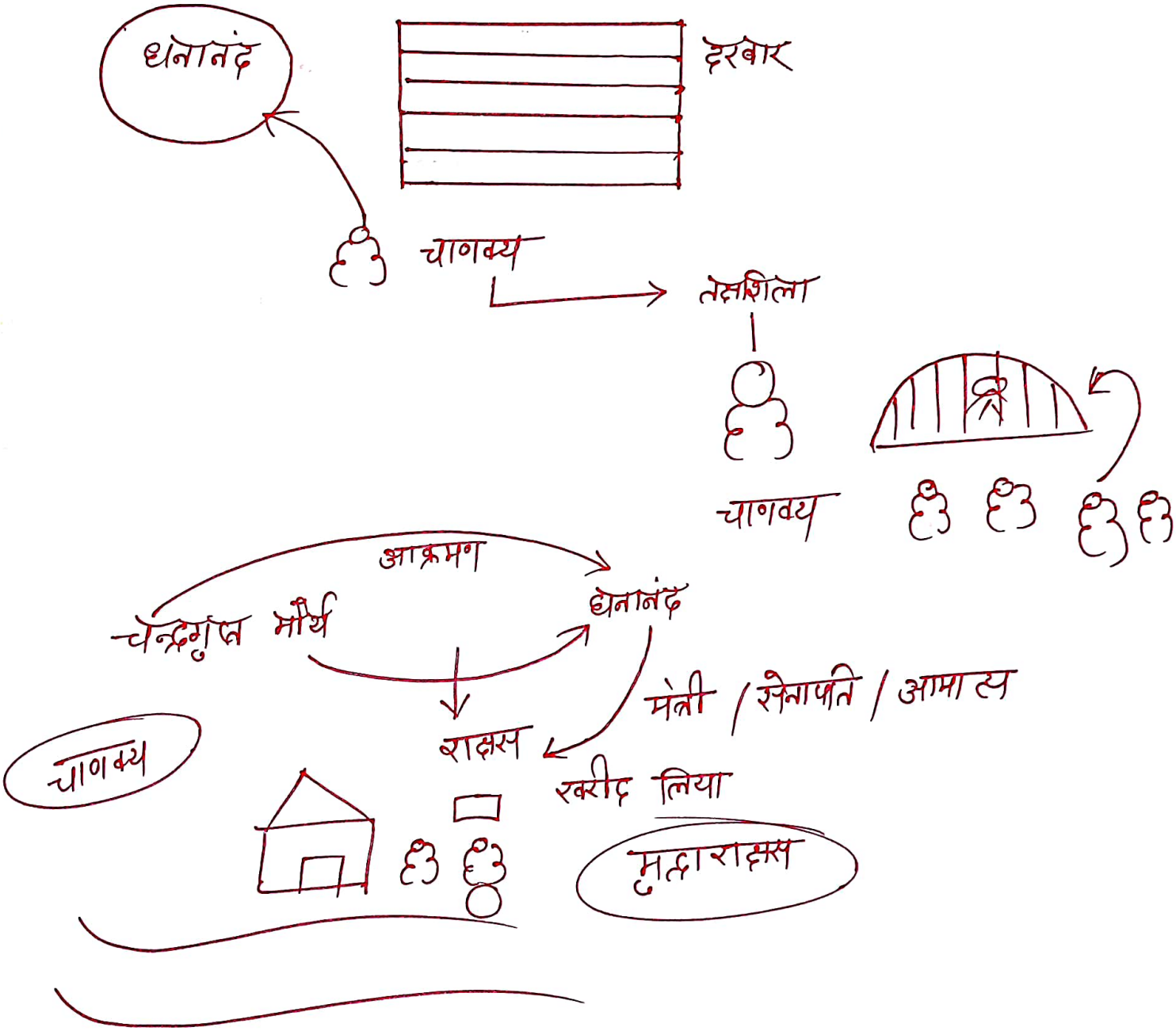

- चन्द्रगुप्त मौर्य
  V/S
- सेल्यूकस निकेटर

युद्ध 305 BC

हार

यूनान - सीधि

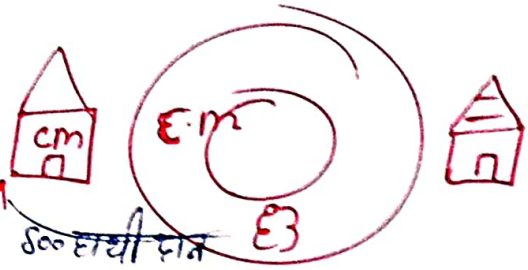

500 हाथी दान

राजदूत भेज दिया - मेगस्थनीज | देश

Book
Indica

चन्द्रगुप्त मौर्य - (322-21 — 298) BC - Chandragupta maurya

चाणक्य ने चन्द्रगुप्त को 1000 कर्षापण में खरीदा था।
Chandragupta bought in 1000 Karshapan by Chanakya.

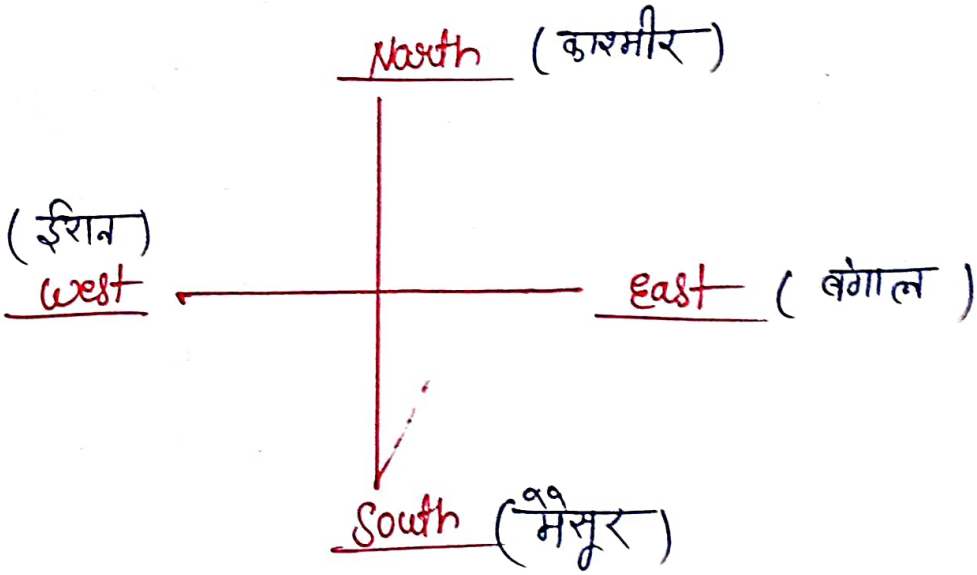

- 305 BC मे सेल्यूकस और चन्द्रगुप्त मौर्य के बीच युद्ध हुआ जिसमे सेल्युकस की हार हुई।

In 305 BC was war between Salucus & CM Defeat

- हार के बाद सेल्यूकस ने अपनी पुत्री का विवाह CM से किया।

After Defeated Salucus marriage his Daughter with CM.

1. एरिया → हेरात
2. अराकोसिया → कांधार
3. जेड्रोसिया → काबुल
4. पेरिपनिषदाई → बलूचिस्तान

- बदले मे चन्द्रगुप्त मौर्य ने 500 हाथी दान।
- चन्द्रगुप्त मौर्य को अखिल भारतीय साम्राज्य का संस्थापक माना जाता है इसके पास 6 लाख सेना थी।
- इण्डिका के लेखक मेगस्थनीज इसी के शासनकाल में भारत आया था।

Indica's Author magasthnese came India During his Ruling Peribel.

- इसके समय मे 12 वर्षो तक अकाल पड़ा। जिससे आहत होकर कर्नाटक के श्रवणबेल गोला गाँव मे जाकर संलेखना / संथारा विधि से अपने प्राण त्याग दिये।

→ बिन्दुसार (Bindusar) (298 - 273) BC

पिता - father - चन्द्रगुप्त मौर्य

माता - mother - दुर्धरा

→ यूनानी इतिहासकार इसे अमित्रकेट्स / अमित्रघात कहते हैं।
Greek Historion's cell him Aamitrakatus / Aamitraghat

→ यह आजीवक धर्म को मानता था।
He beleaves in Aajeevak Religion.

→ इसने मिस्र के शासक से 3 वस्तुएं मांगी -
He Demands 3 things from egypt ruler.

→ मीठी शराब (Sweet wine)
सूखी अंजीर (Dry fruits)
दार्शनिक (Philosopher)
मना कर दिया

→ इसके 101 पुत्र थे।

मौर्य साम्राज्य

- चन्द्रगुप्त मौर्य – (322-21 – 298) BC
- Chandragupta mawrya (322-21 – 298) BC

→ चाणक्य ने चन्द्रगुप्त को 1000 कार्षापण मे खरीदा एवं उसे प्रशिक्षित किया।

- Chanakya bought chandragupta for 1000 Karshapan and trained him.

→ 305 BC सेल्यूकस एवं चन्द्रगुप्त मौर्य के बीच युद्ध हुआ जिसमे सेल्यूकस हार गया।

- in 305 BC there was a war between Seleucus and chandragupta mawrya, in which Seleucus lost.

→ हार के बाद सेल्युकस ने अपनी पुत्री का विवाह cm से किया

- After the defeat Seleucus married his daughter to cm.

दहेज के 4 क्षेत्र – (Area 4 in Dahej – Herat

→ एरिया – हेरात (Area – Herat)

→ अराकोसिया – कांधार (Arachosia – Kandahar)

→ जेड्रोसिया – बलूचिस्तान (Jadrosia – Balochistan)

→ धेरिपनिचदाई – काबुल (Dheripnichdai – Kabul)

- cm के दरबार में ही मेगस्थनीज भारत आया था।
  - megasthenes came to India in the court of cm only.
- cm को अखिल भारतीय साम्राज्य का संस्थापक माना जाता है।
  - cm is considered the founder of the all India Empire.
- जस्टिन एवं प्लूटार्क ने लिखा था कि cm ने 6 लाख सेना के साथ सम्पूर्ण भारत को जीत लिया।
  - Justin and Plutarch had written that cm had conquered the whole of India with an army of six lakhs.
- cm को यूनानी इतिहासकार सैन्ड्रोकोट्स एवं 4 एन्ड्रोट्स कहते थे।
  - cm was called Sendrocates ev 4 Androcotes by the greek historians.
- इसके समय में मगध में 12 वर्षों का अकाल पड़ा
  - During this time there was a femine in magadha for 12 years.
- जिसके कारण यह श्रवणबेलगोला गाँव (कर्नाटक) चला गया और प्राण त्याग दिये
  - Due to which he went to Shravanabelagala village (Karnatka) and sacrificed his life there.

(बिन्दुसार – (298 – 273) BC)

→ पिता – चन्द्रगुप्त मौर्य माता – दुर्धरा
Father – Chandragupta Maurya Mother – Durdhara

→ यूनानी इतिहासकार इसे अमित्रकेट्स अमित्रघात कहते है।
Greek historians call it Amitrakeat's Amitraghat.

→ यह आजीवक धर्म को मानता था।
He believed in Ajivika Dharma.

→ इसने मिस्र के शासक से तीन वस्तुओं की मांग की
It demanded 3 things from the ruler of egypt.

1. मीठी शराब (Sweet wine)
2. सूखी अंजीर (dried figs)
3. दार्शनिक (Philosopher)

→ इसके 101 पुत्र थे। (He had 101 sons)
→ सबसे बड़ा सुसीम था। (The eldest was Susim)

अशोक महान (273 – 232) BC
Ashoka the Great (273 – 232) BC

→ उपनाम –
- सम्राट देवनामप्रिय (Emperor Devanam priya
- देवनाम प्रियदस्सी (Devnam Priyadassi)
- उज्जैन करमौली (Ujjain Karamauli)
- चण्ड अशोका (Chandra Ashoka)
- अशोक वर्धना (Ashok vardhana)

- पिता – बिन्दुसार
  father – Bindusar
- माता – सुभद्रांगी (धम्मा, वन देवी, जन कल्याणी)
  mother – (Subhadrangi (Dhamma, forest, Goddess, Jana Kalyani)
- बौद्ध परम्परा के अनुसार अशोक अपने सगे भाई तिष्य 99 भाइयों की हत्या करके गद्दी पर बैठा।
  According to Buddhist tradition, Ashoka ascended the throne by killing his own Brother Tishya and 99 brothers.
- राजा बनने से पूर्व वह तक्षशिला का गवर्नर था।
  Before becoming King, he was the governor of Taxila.
- 4 वर्षों तक संघर्षों के पश्चात 269 BC में राज्याभिषेक हुआ
  After 4 years of struggle, the coronation took place in 269 BC.
- 261 BC में अशोक ने कलिंग युद्ध किया।
  Ashoka fought the Kalinga war in 261 BC
- इस युद्ध का उल्लेख 13 वें शिलालेख में है।
  This mouth is mentioned in the 13th Inscription.
- कलिंग का राजा नंदराज था।
  Nandraj was the King of Kalinga.
- अशोक का अंतिम युद्ध था।
  Ashoka's last war was.

- कलिंग की राजधानी तोषिल में स्थापित कर दी।
  Established the capital of Kalinga at Toshil.
- अशोक की सहायता उसके PM राधागुप्त ने की थी।
  Ashoka was helped by his pm Radhagupta.
- नेपाल, बंगाल, एवं कश्मीर भी अशोक के राज्य मे थे।
  Nepal, Baigal and Kashmir were also in Ashoka's Kingdom.
- अशोक ने झेलम नदी के किनारे श्री नगर की स्थापना की।
  Ashoka founded Srinagar on the Banks of river Jhelum.
- अशोक ने नेपाल में देवपाटन नामक नगर बसाया।
  Ashoka established a city named Devpatan in Nepal.
- राजतरंगनी के अनुसार प्रारम्भ मे अशोक जैन धर्म को मानता था लेकिन कलिंग युद्ध के बाद मोगलिपुततिष्य एवं उपगुप्त के प्रभाव से अशोक ने बौद्ध धर्म अपनाया।
  According to Rajataraangini, initially Ashoked believed in Jaiva Dharma but after the Kalinga war, under the Influence of mogaliputatishya and upagupta, Ashoka adopted Buddhism
- धम्म एक प्रकार का नैतिक सिद्धान्त था जिसमे सभी धर्मों की अच्छी बातों को शामिल किया गया।

Dhamm was a type of moral doctrine that Included all the righteous things.

→ अशोक ने अपने पुत्र महेन्द्र एवं पुत्री संघमित्रा को बौद्ध धर्म के प्रचार के लिए श्रीलंका भेजा -

Ashoka sent his son mahendra and doughter Sanghamitra to srilanka to propagate Buddhism.

वृहद शिलालेख — (megalithic Inscription)

- शा - शाहबाज गढ़ी — Sha - Shahbaz Garhi
- म - मनसेहरा — M - mansehra
- को - कालसी — Ko - Kalsi
- सो - सोपारा — So - Sopara
- ए - एरेगुड़ी — A — Eregudi
- जो - जोगल — Jo - Jogal
- ग - गिरनार — C — Girnar
- धा - धौली — Dha - Dhauli

अभिलेख

→ खोज - 1750 ई० (Discovery) - 1750 AD

किसने - फेन्थेलर / who - fenthaler

पढ़ा कब - 1837 / when did you read. 1837

किसने - जेम्स प्रिंसेप / who — James Presep

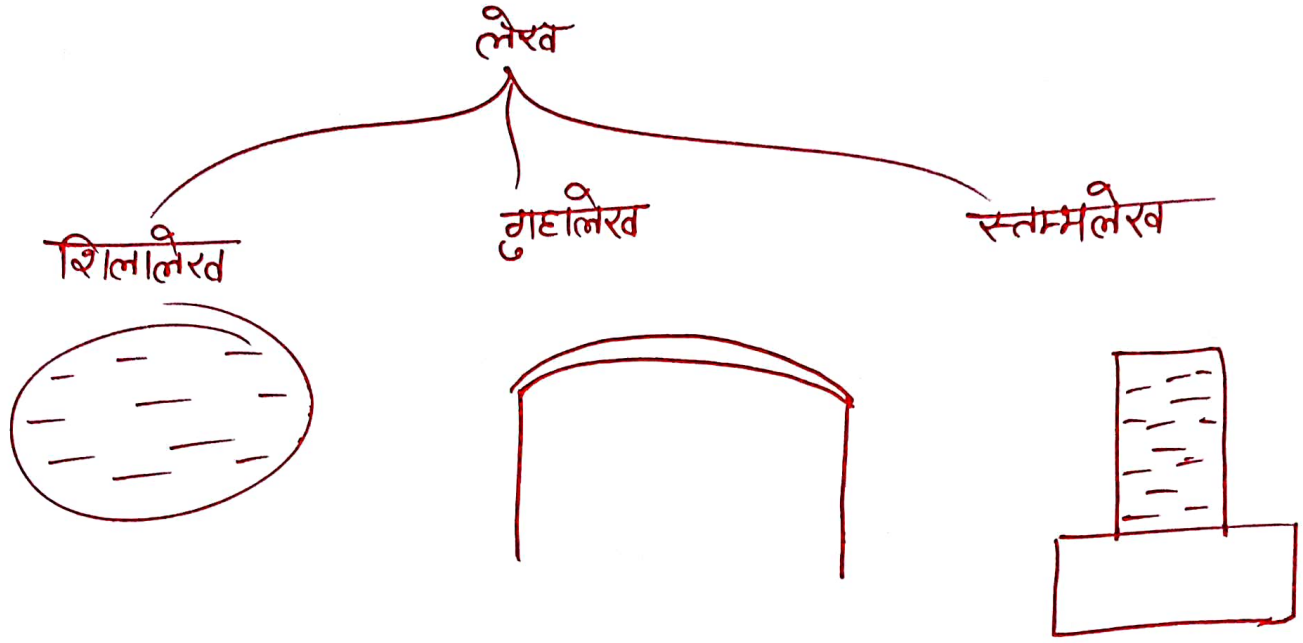

- प्रथम शिलालेख – खचीले समारोह पर प्रतिबंध, पशुबलि निंदा सभी मनुष्य मेरी सन्तान –
- first Inscription – Tatiksha on Khachi ceremony, Animal Sacrifice Essay all human being are my children.
- द्वितीय शिलालेख – पड़ोसी राज्यों का उल्लेख (चेर, चोल, पाण्य, सतिमपुत्र, एवं ताम्रपर्णी) कल्याणकारी कार्य
- Second Inscription – mention of neighbouring Rakhyo (cher, Chal, Panay, Satimpun and Tamraparni) welfare Kabri —
- तृतीय शिलालेख — पुत्त, रज्जुक, प्राविशिक, महामात्य आदि के नियुक्ति का उल्लेख -
- Third Inscription – mention of the appointment of Putta, Rajjuk, Pravishik, Mahamatya etc.

- चतुर्थ शिलालेख – धम्म का उल्लेख
  Fourth Inscription – mention of Dhamma

- पंचम शिलालेख – धम्म महामात्रों की नियुक्ति
  Fifth Inscription – Appointment of Dhamma Mahamatras

- षष्टम शिलालेख – आम जनता किसी भी समय राजा से मिल सकती है।
  Shashtam Inscription – The common public can meet the king at any time.

- सप्तम शिलालेख – सभी सम्प्रदायों में सहिष्णुता की भावना
  Saptam Shilalekha – feeling of tolerance amoung all communities.

- अष्टम शिलालेख – धम्म यात्रा आरम्भ करने का उल्लेख।
  Eighth Inscription – mention of starting Dhamma matra.

- नवम शिलालेख – धम्म समारोह
  Ninth Inscription – Dhamma Samaroh

- दशम शिलालेख – धम्म निति सर्वश्रेष्ठ
  Dasham Inscription – Dhamma Niti Best

- ग्यारवे शिलालेख – धम्म नीति की व्याख्या
  Gyaravve Silalekh – explation of Dhamma Niti.

- बारहवें शिलालेख – धार्मिक सहिष्णुता का उल्लेख –
  Twelth Bill – mention of religious tolerance.

- तेरहवें शिलालेख – कलिंग युद्ध वर्णन
  Thirteen Inscription - Kalinga war description

  पाँच यूनानी राजा एण्टियोकस, टालमी एण्टीगोनस, मानस, अलेक्जेंडर का उल्लेख
  आटविक, जातियों की चेतावनी –

शुंग वंश (Sunga Dynasty)

- ब्राह्मण वंश था।
- स्थापना – (founder) – पुष्यमित्र शुंग
- बौद्ध धर्म का विरोधी
- राजधानी capital – विदिशा, पाटलीपुत्र
- 2 अश्वमेध यज्ञ किये थे।
- दरबारी – पतंजलि
- इसने वैष्णव धर्म (Vashnav Dharma) के उत्थान के लिये कार्य किया -
- इसके पश्चात इसका पुत्र अग्निमित्र (Agnimitra) शासक बना
- कालिदास (Kalidas) प्रसिद्ध नाटक मालविकाग्निमित्रम का पात्र था।
  अन्तिम शासक देवभूति था। (Last Ruler)

कण्व वंश (Kanv Dynasty)

- संस्थापक – (founder) – वासुदेव (vashudev)

- इसके शासन काल में मगध साम्राज्य केवल पाटलिपुत्र तक ही रह गया था।

- Last Ruler – अन्तिम शासक
  → सुशर्मा

- आन्ध्र सातवाहन वंश (AandhraSatvahan Dynasty)
- संस्थापक (founder) – सिमुक (simuk)
- मत्स्य पुराण में इस वंश के बारे में जानकारी मिलती है।
- राजधानी (capital) → प्रतिष्ठान (पैठन) M.H
- भूमिदान करने की शुरूवात (Land Donation) इस वंश द्वारा शुरू की गई।
- इस वंश का सर्वशक्तिशाली शासक गौतमी पुत्र शातकर्णी था।
  ↓
  घोड़ा
  ↓
  त्रिसमुद्रतोयपीतावाहन
  तीन समुद्र का पानी पीने वाला
- इस वंश का अंतिम शासक यज्ञ श्री शातकर्णी था।

ROJGAR WITH ANKIT

Syllabus

(medival India)

→ अरबी आक्रमण (Arabian Attack)

→ तुर्की आक्रमण (Turkey Attack)

→ दिल्ली सल्तनत (Delhi Saltnat)

गुलामवंश – खिलजीवंश – तुगलकवंश – सैय्यद – लोदी

गुड़ खा तसले में

→ मुगलकाल (mugal Period)

बाबर – हुमायूं – अकबर – जहांगीर – शाहजहां – औरंगजेब – बहादुरशाह I – जहांदारशाह – फर्रुखसियर – रफी-उ-दरजात – रफी-उ-दौला – मोहम्मद शाह – अहमद शाह – आलमगीर II – शाहआलम II – अकबर II – बहादुर शाह जफर

BHAJI SABJI FORR MAA SAB

अरबी आक्रमण (Arabian Attack)

→ पहला अरबी मुस्लिम आक्रमण 711-12 ई० में मोहम्मद बिन कासिम द्वारा सिंध प्रान्त के राजा दाहिर पर किया गया था।

ROJGAR WITH ANKIT

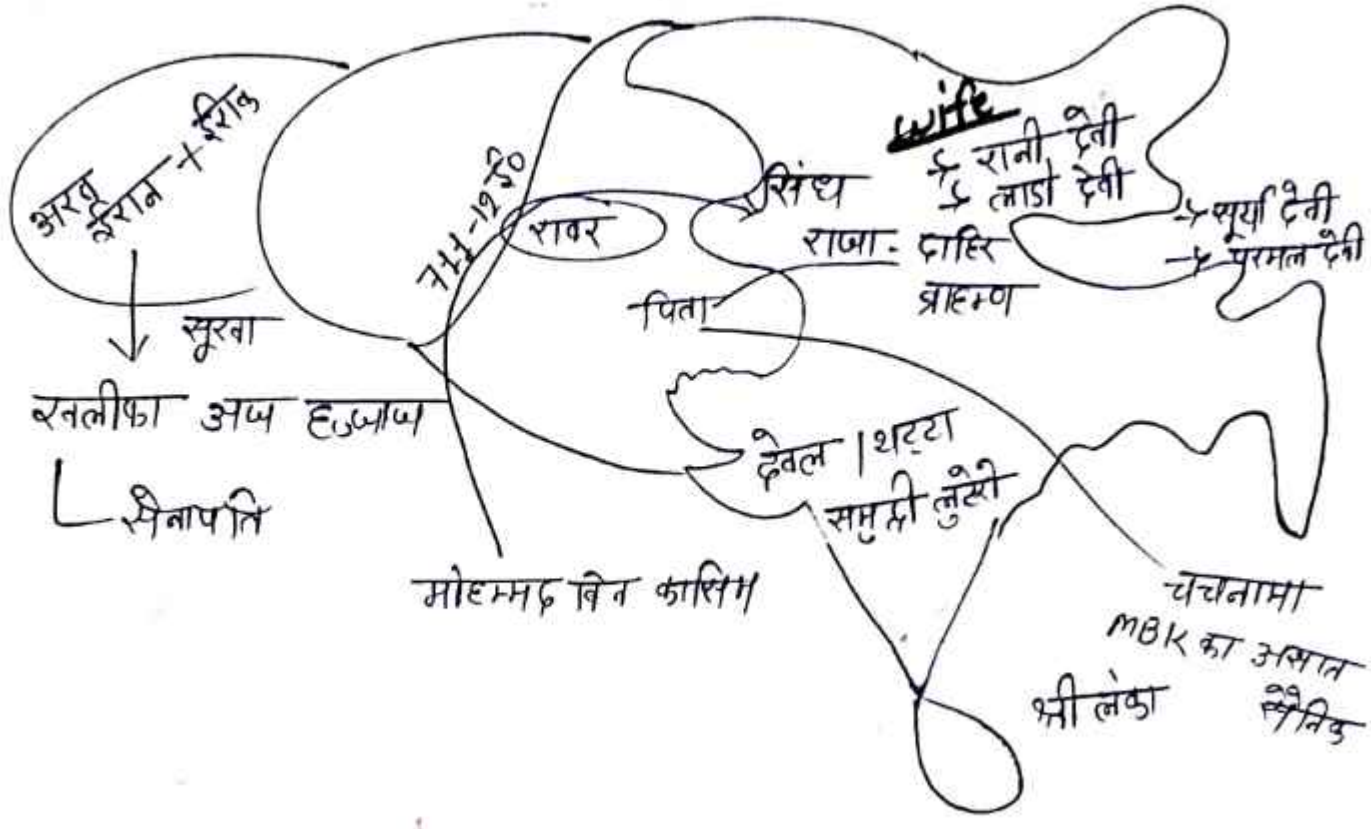

दाहिर → यह ब्राह्मण वंश का राजा था।

wife → रानी देवी (Rani Devi)
→ लाड़ो देवी (Lado Devi)

Daughter → सूर्या देवी (Suryya Devi)
→ पारमल देवी (Parmal Devi)

father चच
→ इन्ही के नाम पर MBK के असात सैनिक ने चचनामा लिखी थी जिससे इस आक्रमण के बारे में जानकारी मिलती है।

+ यही पर

- ऊंट पालन (camel husbandry)
- खजूर की खेती (Date Agriculture)
- जजिया कर (Jajiya tax)

+ 711-12 ई में जो युद्ध MBK एवं दाहिर के मध्य जो युद्ध हुआ था उसे रावर का युद्ध कहते है।

ROJGAR WITH ANKIT

History

गुप्तवंश / Gupta Dynasty

संस्थापक – श्री गुप्त (Shri Gupta)
(Founder)

- गुप्तकाल, कला (Art), साहित्य (Literature), विज्ञान (Science) संस्कृति (Culture) का स्वर्ण युग कहते है।
- इसने मगध में एक मन्दिर बनवाया।
  He built a temple in magadha.
- और इसके संचालन के लिये २५ गाँव दान में दिये।

श्रीगुप्त / चन्द्रगुप्त I / समुद्रगुप्त / चन्द्रगुप्त II / कुमारगुप्त / स्कन्दगुप्त / भानुगुप्त / विष्णुगुप्त

- सोच सोच ✗ कस ✗ भागा विष्णु गुप्त

- **चन्द्रगुप्त प्रथम (Chandragupta Ist) – (350 – 75) AD**

  श्रीगुप्त का उत्तराधिकारी घटोत्कच था।
- Ghatotcacha was the successor of Shri Gupta.
- गुप्तवंश का वास्तविक संस्थापक चन्द्रगुप्त प्रथम था।
- Real founder of Gupta Dynasty was Chandragupta Ist.

- इसने महाराजाधिराज की उपाधि धारण की थी
  It had took a title of maharajadhiraj.
- इसने लिच्छवी राजकुमारी कुमारदेवी से विवाह किया था।
  He married with lichvi princess Kumardevi.
- 319 - 20 AD मे गुप्त संवत चलवाया
- गुप्तकाल में आपद्धर्म की अवधारणा प्रचलित थी।
  आपातकाल (emergency) के समय कोई भी व्यक्ति किसी भी वर्ण का कार्य कर सकता था।

समुद्रगुप्त (Samudragupta)

- उत्तराधिकारी (successor) – चन्द्रगुप्त Ist का

V. स्मिथ – नेपाल, बंगाल, बिहार, ओडिशा, आदि को
Nepal Bangal Bihar, Odisha
जीतने के कारण भारत का नेपोलियन कहते है।

उपनाम (Nickname) – 1. कविराज
2. धरणीबंध
3. सौ युद्धों का विजेता

- समुद्रगुप्त के बारे में जानकारी हरिषेण द्वारा रचित प्रयाग प्रशस्ति लेख से प्राप्त होती है।

→ दक्षिण विजय नीती – दक्षिण मोक्षानुग्रह कहलाई – ग्रहण करो और छोड़ दो।

चन्द्रगुप्त द्वितीय (375 – 415) AD

Chandragupta IInd

- साम्राज्य विस्तार के कारण इसे विक्रमादित्य की उपाधि दी गई।
  Due to epention of empire he took title of vikramaditya.
- इसके शासनकाल को प्राचीन इतिहास का स्वर्णयुग कहा जाता है।

→ क्योंकि इसके समय सभी लोग शाकाहारी थे। Vegetirian

→ शकों के अन्तिम शासक रुद्रसिंह तृतीय की हत्या करने के बाद शकारि कहा गया।

→ चीनी यात्री (chinese traveller) फाह्यान इसी के शासन काल में भारत आया था।

→ इसके एवं अकबर के शासनकाल में ही नौरत्न रहते थे।

→ पहली राजधानी 1st capital – पाटलिपुत्र

IInd capital – उज्जैनी

ROJGAR WITH ANKIT

कुमारगुप्त (Kumargupta) (415 – 55) AD

- सर्वाधिक 10 अभिलेख इसी के हैं।
  maximum 10 Inscription belongs to him.
- इसे शरदकालीन सूर्य कहा जाता है।
  It is also called autmn Sun.
- महेन्द्रादित्य की उपाधि धारण की थी।
  He got title of mahindraditya.
- नालंदा विश्वविद्यालय की स्थापना इसी के शासनकाल में हुई थी।
- इसने ही सिक्कों पर मयूर (देववाया था।) था।
- गुप्त वंश का अंतिम शासक अजय विष्णु था।

ROJGAR WITH ANKIT

तुर्की आक्रमण / Turkey Attack

987 → अल्पतगीन → जयपाल

↓

सुबुक्तगीन

भाई

इस्माइल → महमूद

घासेर ← ×

→ **महमूद गजनवी** – (Mahmood Gajnavi (998 – 1030) ई०

प्रो० हेनरी इलियट के अनुसार इसने भारत में 17 बार आक्रमण किया और सभी में सफल रहा।

पहला आक्रमण (first Attack – 1001 ई० में

पंजाब के राजा – जयपाल (Jaipal)

इससे पराजित होकर आत्मदाह कर लिया।

इतिहासकार – इसे ईश्वर का शत्रु कहते हैं।

पाँचवा आक्रमण (5th Attack) 1007 ई०

→ आँहिन्द – सुखपाल → जयपाल का नाती था।

↓

पराजित होकर इस्लाम धर्म अपनाया + नौकरशाही की उपाधि ✓

12th Attack (आक्रमण -) (1018-19) ई०

मथुरा + कन्नौज → विद्याधर

16th Attack (आक्रमण) - 1025 ई०

सोमनाथ मन्दिर → शासक भीम प्रथम

→ यामनी वंश की स्थापना की थी।

Death मृत्यु - 1030 ई०

ROJGAR WITH ANKIT

मोहम्मद गौरी (1175 - 1206) ई०

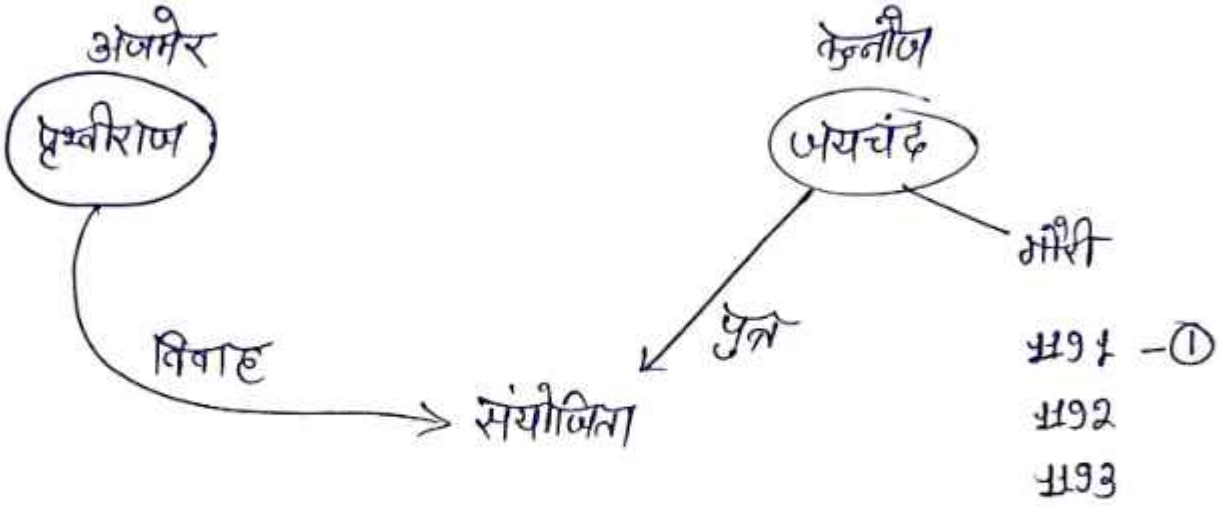

पूरा नाम - (full name) - मोहम्मद शिहाबुद्दीन गौरी

→ 1173 ई० में गौरी अफगानिस्तान का शासक बना

→ 1175 ई० में इसने पंजाब मुल्तान पर आक्रमण किया।

→ 1178 ई० में मालवा के शासक भीम द्वितीय पर आक्रमण जिसमे गौरी की हार हुई।

→ जयचंद एवं पृथ्वी के बीच संयोजिता को लेकर शत्रुतापूर्ण सम्बंध थे।

→ जिस कारण जयचंद ने पृथ्वी पर आक्रमण के लिये गौरी को आमंत्रित किया।

Tarine war तराइन का प्रथम युद्ध (1191)

गौरी v/s पृथ्वीराज (जीत)

ROJGAR WITH ANKIT

IInd Tarine war - तराइन का द्वितीय युद्ध - 1192

गौरी v/s पृथ्वीराज (हार)

चंदावर का युद्ध (1194 ई०)

गौरी v/s जयचंद (हार)

→ पृथ्वीराज रासो चन्दबरदाई द्वारा इसी समय लिखी गई थी।
→ गौरी ने लक्ष्मी की मूर्ति वाले सिक्के चलवाये थे।
→ गौरी के विजय कार्यों में 4 सेनापतियों ने साथ दिया था।

1- कुतुबद्दीन ऐबक
2- बख्तियार खिलजी
3- यल्दौज
4- कुबाचा

दिल्ली सल्तनत (Delhi Sattnat)

गुड़ - गुलाम वंश (1206 - 90)
खा - खिलजी वंश (1290 - 1320)
त - तुगलक वंश (1320 - 1414)
स - सैय्यद वंश (1414 - 1451)
ले - लोदी वंश (1451 - 1526)

ROJGAR WITH ANKIT

गुलाम वंश (Slave Dynasty)

संस्थापक – कुतुबद्दीन
↳ अर्थ चन्द्रमा का देवता

कुतुबद्दीन ऐबक – meaning – चन्द्रमा का देवता
(Kutubadeen Aibak (God of moon)

उपाधि –
1. हातिम – उदार हृदय (Kindly hearted)
2. कुरान खाँ – सुरीले स्वरों में पाठ करने।
3. लाख बख्श – लाखों का दान।

राजधानी – लाहौर

→ कुव्वत – उल – इस्लाम, अढ़ाई दिन का झोपड़ा, तुर्की मस्जिद का निर्माण भी करवाया था।

→ इसने कुतुबमीनार का निर्माण भी शुरू कराया था।

→ 1210 में चौगान खेलते हुए ऐबक की मृत्यु हो गई थी

ROJGAR WITH ANKIT

History

कुतुबुद्दीन / आरामशाह / इल्तुतमिश / रुकनुद्दीन फिरोज / रजिया सुल्तान / बहरामशाह

कर आराम इधर रुककर रिपोर्ट में क्योंकि बहरा

मसूदशाह / नसीरुद्दीन महमूद / गयासुद्दीन बलबन / कैकुबाद / क्यूमर्स

और मसूद नासिक गये कैक लेने।

इल्तुतमिश - (1211 - 1236) AD

- गुलामों का गुलाम
- कुतुबुद्दीन ऐबक का दामाद था (Son-in-law)
- दिल्ली सल्तनत का वास्तविक संस्थापक कहा गया - Real founder of Delhi Saltnat.

- चालीसा दल का निर्माण (40 तुर्की सरदारों) तुर्कान-ए-चहलगामी
- चंगेज खाँ ने आक्रमण का प्रयास किया लेकिन असफल रहा।
- इक्ता प्रणाली को शुरू किया।
- तांबे का जीतल और चाँदी का टंका नामक सिक्का चलवाया।
- घंटिया बजाकर कोई भी व्यक्ति न्याय की फरियाद कर सकता था।

→ कुतुबमीनार का निर्माण कराया -

रजिया सुल्तान (Razjiya Sultan 1236-40 ई०)

→ दिल्ली सल्तनत की पहली एवं अन्तिम महिला शासिका थी।
→ लाल वस्त्र पहन कर दिल्ली की जनता से न्याय मांगा और उन्होंने रजिया को सुल्ताना बना दिया।
→ तुर्कान-ए-चहलगामी और बहरामशाह ने मिलकर हरियाणा के
→ कैथल में डाकुओं की सहायता से रजिया व उसके पति
→ की हत्या करवा दी।

ग्यासुद्दीन बलबन (Gayasudden Balban) (1266-87 ई०)

→ वास्तविक नाम - (Real name) - बहाउद्दीन
→ तुर्कान-ए-चहलगामी को नष्ट करवा दिया।
→ तुर्की योद्धा अफरासियाब के वंश से स्वयं को जोड़ा।
→ जिल्ल-ए-इलाही की उपाधि (title) धारण की।
पारसी त्योहार नौरोज मनाना शुरू किया।
→ बलबन की सफलता (Success) का कारण गुप्तचर व्यवस्था थी।
→ 1285 ई० में बलबन का पुत्र पंजाब आक्रमण में मारा गया।
→ था जिसके विलाप में 1287 बलबन की मृत्यु हो गई थी।

ROJGAR WITH ANKIT

खिलजी वंश (Khilji Dynasty)(1290-96) ई०

→ संस्थापक (founder) - जलालुद्दीन खिलजी
↓
क्यूमर्स - हत्या
↓
दिल्ली सल्तनत का सबसे वृद्ध old

अलाउद्दीन खिलजी - (1296 - 1316 ई०)

⇒ 1299 ई० गुजरात विजय के दौरान मलिक काफूर को 1000 दीनार मे खरीदा। इसी कारण मलिक काफूर को हजार दीनारी कहते है।

⇒ घोड़ो को दागने एवं सैनिको का हुलिया लिखने की प्रथा शुरू की

⇒ सैनिको को नियमित वेतन देना भी शुरू किया

⇒ 6 बार मंगोल आक्रमण भी हुए।

⇒ 1303 ई मे मेवाड़ विजय की। रानी पद्मावती की कहानी इसी घटना से जुड़ी हुई है।

⇒ बाजार नियंत्रण प्रणाली इसी के द्वारा शुरू की गयी थी।

अन्तिम शासक नासिरुद्दीन खुसरोशाह था।

तुगलक वंश (Tuglaq Dynasty)(1320 - 1414)

संस्थापक (founder) (1320 - 25)

ग्यासुद्दीन तुगलक - (Gayasuddin Tuglaq -

⇒ इसका दूसरा नाम मलिक गाजी था।

अर्थ (meaning) - दुश्मनो को मारने वाला

⇒ पहला सुल्तान था जिसने नहरों का निर्माण करवाया।
⇒ इसके सम्बंध सूफी संत निजामुद्दीन औलिया से अच्छे नहीं थे जिस
⇒ कारण उसने कहा दिल्ली अभी दूर है। (Delhi is far away.)
⇒ संगीत का घोर विरोधी था।
⇒ लकड़ी का महल गिर जाने से इसकी मृत्यु हो गई।

ROJGAR WITH ANKIT

मुहम्मद बिन तुगलक (1325-51) AD

सर्वाधिक पढ़ा-लिखा (Educated) शासक था।

- पागल सुल्तान, अधर्मी शासक, स्वप्नशील, रक्तपिपासु, आदि नामों से जाना गया।
- राजधानी (capital) - दिल्ली - दौलताबाद (महाराष्ट्र)
- किसानों को मुफ्त कर्ज देने के लिए कृषिविभाग दीवान-ए-आमिर-कोही की स्थापना की।
- सांकेतिक मुद्रा का (Token currency) का प्रचलन किया
- Imp मोरक्को यात्री इब्नबतूता इसी के शासनकाल में भारत आया
- पहला सुल्तान जिसने सती प्रथा पर रोक लगाई
- हिन्दू त्योहार, होली, दीवाली, दशहरा, आदि त्योहारों में भाग लेता था।
- 1336 ई० में हरिहर एवं बुक्का विजयनगर साम्राज्य की नींव रखी थी।
- 1347 ई० में हसन एवं गंगू ने बहमनी साम्राज्य की स्थापना की थी।

ROJGAR WITH ANKIT

- 1200 संगीतकार इसी के दरबार में रहते थे।
- इतिहासकारों ने इसके मृत्यु पर कहा की राजा को प्रजा से और प्रजा को राजा से मुक्ति मिल गयी।

फिरोजशाह तुगलक (1351-89) (Firozshah Tuglaq)

- इसे सल्तनत काल का अकबर भी कहा गया -।
- सर्वाधिक नहरों का निर्माण करवाया और हक-ए-शर्ब कर वसूला।
- 300 नगर बसाए - अपने चचेरे भाई जौना खाँ की याद में जौनपुर नगर की स्थापना की गई।
- दीवान-ए-खैरात - जरूरतमंदों के लिए दान विभाग
- दार-उल-सफा - गरीबों के लिए अस्पताल
- दीवान-ए-बंदगान - दास विभाग (1,80,000) दास
- दिल्ली में जल एवं सूर्य घड़ी का निर्माण करवाया।
- रोजगार दफ्तर एवं कारखाने भी बनवाए।
- 1200 बाग भी लगवाए (सर्वाधिक आम के थे।
- इसी ने सबसे पहले राज्य की आय का ब्यौरा लिया
  - ↓ 6 करोड़ 75 लाख ✓

नासिरुद्दीन महमूद इस वंश का अंतिम शासक था।

सैय्यद वंश (Sayyad Dynasty)

1414 - 1451 ई०

- संस्थापक (Founder) - खिज्र खाँ - तैमूर लंग का सहयोगी था।
- अंतिम शासक (Last Ruler) - अलाउद्दीन आलमशाह ✓

लोदी वंश (Lodhi Dynasty)

(1451 - 1526 ई०)

संस्थापक - (Founder) - बहलोल लोदी

- प्रथम अफगान वंश था।

बहलोल लोदी (Bahlal Lodhi)

- अपने सेनापतियों को बराबरी का दर्जा देता था।
- अमीरों के सामने सिंहासन (Throne) पर नहीं बैठता था।
- जौनपुर को दिल्ली सल्तनत में मिलवा लिया।
- ग्वालियर पर आक्रमण करके उसे जीत लिया।
- लू लगने से 1489 ई० मृत्यु।

सिकंदर लोदी (Sikandar Lodhi) 1489 - 1517 ई०

- इसने अपने पिता के विपरीत अमीरों को दण्ड देना शुरू किया।
- बचपन का नाम - निजाम - खाँ
- 1504 ई० में आगरा की स्थापना की थी।

माता हिन्दू थी।

→ गुलरूखी नाम से कविताएं लिखता था।

• इब्राहिम लोदी (Ibrahim Lodhi)

→ दिल्ली सल्तनत का पहला सुल्तान था जोकि युद्ध भूमि में मारा गया।

→ इसके सम्बंध अपने सेनापतियों से शत्रुतापूर्ण थे।

मुगलकाल (1526 - 1857)

- B H A J I
  - बाबर
  - हुमायूं
  - अकबर
  - जहांगीर
- S A B J I
  - शाहजहां
  - औरंगजेब
  - बहादुर शाह I
  - जहांदार शाह
- F O R R
  - फर्रुखशियर
  - रफी-उद-दरजात
  - रफी-उद-दौला
- M A A
  - मोहम्मद शाह
  - अहमद शाह
  - आलमगीर II nd
- S A B
  - शाहआलम II nd
  - अकबर II nd
  - बहादुर शाह II
  - अकबर

→ संस्थापक - (Founder) - बाबर (Babur)

→ जन्म - 14 फरवरी 1483

→ फरगना - (उज्बेकिस्तान) में Fergana (Uzbekistan)

पिता - उमर शेख मिर्जा father - Umar Sheikh Mirza

→ पिता की तरफ से पाचवी पीढ़ी - तैमूरलंग से सम्बंधित
5th generation of father's side - Related to Tamerlane

→ माता की तरफ से 14वी पीढ़ी - चंगेज खाँ से सम्बंधित
14th Generation on mother's side - Related to Genghis Khan

→ बाबर ने समरकंद को 1497 मे जीता।
Babur conquered Samarkand in 1497.

→ बाबर का भारत पर पहला आक्रमण - युसुफजई जाति पर (1510-19)
Babur's first attack on India - on Yusufzai caste (1510-19)

→ बाबर की लौहार विजय - 1524 में
Babur's blacksmith victory - in 1524

बाबर के 4 युद्ध (Babar's 4 wars)

→ पानीपत का प्रथम युद्ध = (1526) first war of Panipat (1526)
(IL+विक्रमजीत) Vs बाबर + दौलत खाँ लोदी (पंजाब के गवर्नर)
(IL + Vikramjit) Vs Babar + Daulat Khan Lodi (Governor of Punjab)
+ आलम खाँ लोदी (Alam Khan Lodi)

→ अन्य नाम — जहीरूद्दीन बाबर

Trick . पानी → पानीपत का युद्ध
खना → खानवा का युद्ध
चल → चन्देरी का युद्ध
घर → घाघरा का युद्ध

→ पानीपत का प्रथम युद्ध –

- इस युद्ध में बाबर ने तुगलमा नीति का प्रयोग किया।
  Babar used the Tuglama policy in this war.
- युद्ध मे तोप का प्रयोग.
  use of cannon in battle.
- तोप का संचालन – उस्ताद कुली खाँ
  cannon operation – Ustad quli Khan
- बंदूक संचालक – मुस्तफा
  Gun operation – Mustafa

→ इस युद्ध के बाद कलंदर की उपाधि धारण की –
After this war, he assumed of the title of qalandar.

→ खानवा का युद्ध → 1527 (Battle of Khanwa) – 1527
राणा सांगा + आलम खाँ + दौलत खाँ
Rana Sanga + Alam Khan + Daulat Khan

→ जिहाद का नारा → दिया बाबर ने (Babar gave Jihad Slogan.
इसी युद्ध के बाद 'गाजी' की उपाधि धारण की।
After this war, he assumed the title of Ghazi.

(3) चन्देरी का युद्ध → 1528 (Battle of chanderi - 1528)
Vs मेदनी राय medni Rai

(4) घाघरा का युद्ध → 1529 Battle of Ghagra = 1529
महमूद लोदी + शेरशाह सूरी + नुसरत खाँ
mehmood Lodi + Sher Shah Suri + Nusrat Khan

यह युद्ध जल और थल दोनों पर लड़ा गया
This war was fought on both water and land.

→ बाबर का शासन काल → (1526 – 30) Babar's reign – (1526 – 30)

→ बाबर की आत्मकथा → बाबरनामा (चगताई तुर्की भाषा)
Autobiography of Babar → Baburnama (chagtai Turkic Language)
↳ तुजुक - ए - बाबरी (Tuzuk - e - Babri)

→ आत्मकथा लिखने वाला पहला शासक था – (मुगलकाल का)
The first ruler to write an autobiography (of the mugal period) was.

→ इसने अपनी आत्मकथा में कृष्णदेव (विजयनगर) को शक्तिशाली शासक बताया है।

→ He has described Krishnadevaraya (Vijayanagara) as a powerful ruler in his autobiography.

→ बाबर का मकबरा – पहले आरामबाग (आगरा)
Tomb of Babar – Earlier Arambagh (Agra)

→ बाद में काबुल (अफगानिस्तान) – Later Kabul (Afghanistan)

→ बचपन का नाम – मौ० जहीरूद्दीन
Childhood name – maud Zaheeruddin

→ 4 बेटे थे। – हुमायूँ, कामरान, अस्करी, हिंदाल
Had 4 sons – Humayun, Kamran, Askari, Hindal.

हुमायूँ (1530 – 1540)
(1555 – 1556)

→ बचपन का नाम – नसीरूद्दीन मोहम्मद खोदमीर
Childhood name – Naseeruddin muhammad Khodmir

→ जन्म – 1508 काबुल Born – 1508 Kabul
माता – माहम बेगम mother – maham begum

→ गद्दी पर बैठने से पहले बदख्शाँ का सूबेदार था।
Before sitting on the throne, he was the Subedar of Badakhshan.

→ राज्याभिषेक – 1530 (आगरा) - coronation - 1530 (Agra)

→ 1531 = कालिंजर (बांदा, यूपी) दुर्ग जीता
1531 = Kalinjar (Banda, UP) fort won
प्रताप रूद्र देव के अधीन - Pratap under Rudra Dev

→ 1532 - चुनार का किला घेरा – 1532 = Siege of chunar fort
मिर्जापुर – Mirzapur
संधि हुई (हिंदू बेग के माध्यम से)
Treaty concluded (through Hindu Beg)

→ 1532 में - दोहरिया का युद्ध जीता (In 1532 - won the battle of Dohariya.
शेरशाह सूरी + महमूद लोदी को हराया
Defeated Sher Shah Suri + Mahmud Lodi

→ 1533 में = दीनपनाह पुस्तकालय (दिल्ली) की स्थापना की।
In 1533 = Dinpanah Library (Delhi) was established.

→ 1539 में बंगाल (गौड़ प्रदेश) को जीतकर उसका नाम जन्नताबाद, कर दिया गया।
(After winning Bengal (Gaur pradesh) in 1539, its name was changed to Jannatabad

दिल्ली का नियन्त्रण = शेख बहलोल
control of Delhi = Sheikh Bahlol

→ बंगाल विजय के दौरान हिंदाल ने शेख बहलोल की हत्या करके खुद को दिल्ली का सम्राट घोषित कर दिया।

→ During the conquest of Bengal, Hindal killed Sheikh Bahlal and declared himself the emperor of Delhi.

→ दिल्ली वापस आते समय – चौसा का युद्ध (1539) में हुआ
while coming back to Delhi = Battle of chausa took place in 1539.

→ हुमायूं Vs शेरशाह सूरी – Humayun Vs Sher Shah Suri
↳ हारा (Defeated)

→ कर्मनाशा नदी में कूद गया और एक निजाम भिश्ती ने उसकी जान बचाई।
In the river karmanasa jumped, and a Nizam Bhishti saved his life.

→ चमड़े के सिक्के-

→ दो व्यक्तियों ने चलवाए
1. MBT
2. निजाम भिश्ती

→ 1540 में कन्नौज (बिलग्राम) का युद्ध हुआ।
The battle of Kannauj (Bilgram) took place in 1540
हुमायूं Vs शेरशाह (Humayun Vs Sher Shah
जीता और दिल्ली पर 2nd अफगान वंश
conquered and 2nd Afghan dynasty on Delhi
सूरी साम्राज्य (Suri Empire)

→ हुमायूं भागकर आगरा से पंजाब – सिंधु गया और 1541 में हमीदा बानो बेगम से शादी की।

→ Humayun fled from Agra to Punjab - went to Indus and married Hamida Bano Begum in 1541.

→ पुत्र - अकबर का जन्म (1542 में) हुआ
Son - Akbar was born in 1542

→ राणा वीरसाल (PB) के यहाँ।
At the place of Rana Virsal (PB).

→ 1555 में हुमायूँ वापस आया - Humayun returned in 1555.

→ 1555 में - मच्छीवाड़ा (PB) का युद्ध जीता।
in 1555 - won the battle of machhiwada (PB)

→ 1555 मे सरहिंद का युद्ध जीता won the battle of Sirhind in 1555

↓

→ हुमायूँ Vs सिकन्दर शाह सूरी
Humayun Vs Sikandar Shah Suri
जीता / won

→ इस युद्ध के बाद हुमायूँ ने अकबर को लाहौर का सूबेदार बनाया।
After this war, Humayun made Akbar the Governor of Lahore.

→ 1556 मे हुमायूँ की दीनपनाह पुस्तकालय में सीढ़ियों से गिरकर मौत हुई
Humayun died in 1556 by falling down the stairs in the Dinpanah library.

→ स्टेनले लेनपूल - हुमायूँ के जीवन
Stanley Lenpool - Life of Humayun
को लड़खड़ाता जीवन कहा।
called a faltering life.

→ हुमायूँनामा (फारसी भाषा) की रचना - गुलबदन बेगम की
composition of Humayunnama = Gulbadan Begum
चचेरी बहन थी। (cousin sister)

→ हुमायू का मकबरा - दिल्ली (Humayun's Tomb - Delhi)

→ हुमायू रविवार को पीले वस्त्र शनिवार - काले वस्त्र और सोमवार को सफेद वस्त्र पहनता था।

→ Humayun used to wear yellow, clothes on Sundays, black clothes on Saturdays and white clothes on mondays.

सूर साम्राज्य (1540 - 1555)

2nd अफगान वंश → 2nd Afgan descent

भाषा → फारसी (Language - farsi)

→ तारीख-ए-शेरशाही - पुस्तक
Tarikh-e-Shershahi - Book Tarikh-e-Shershahi - Book

→ अब्बास - खाँ शेरवानी - (अकबर के कहने पर)
"Abbas Khan Sharwani" - at the behest of Akbar

शेरशाह सूरी (1540 - 1545)

→ बचपन का नाम - फरीद खाँ
childhood name - farid Khan

→ पिता - हसन खाँ father Hasan Khan

बिहार का सूबेदार - बहार खाँ लोहानी (मोहम्मद शाह)

→ Governor of Bihar - Bahar Khan Lohani (mohammed Shah)

↓ पुत्र Son

→ जलाल खाँ संरक्षक बना - Became the Guardian of Jalal Khan

→ शेरशाह ने बहार खाँ लोहानी की विधवा दूदू बेगम से विवाह किया।

→ Sher Shah married Dudu Begum, the widow of Bahar Khan Lohani.

→ 1529 में बंगाल मे नुसरत शाह को हराकर हजरत अली की उपाधि धारण की।

→ After defeating Nusrat Shah in Bengal in 1529, Assumed the title of Hazrat Ali.

→ 1530 मे चुनार का किला (मिर्जापुर) जीता और लाड़मलिका से विवाह किया।

→ won the fort of chunar mirzapur in 1530 and married Ladmalika.

→ 1539 मे चौसा का युद्ध जीता और शेरशाह (अल-सुल्तान-आदिल) की उपाधि धारण की।

→ in 1539- won the battle of chausa and assumed the title of Sher Shah (Al-Sultan Adil)

→ 1540 मे बिलग्राम/ कन्नौज का युद्ध जीता सूर वंश की स्थापना की।

→ won the battle of Bilgram / Kannauj in 1540 founded the Sur Dynasty.

→ 1542 में मालवा को – conquered malwa in 1542

→ 1543 – रायसीन को जीता – पूरनमल जाट को धोखे से मारा।

1543 – won Raisin – killed Puranmal Jat by deceit.

↓

बाबर से चंदेरी का किला जीता था।

The fort of chanderi was won from Babur.

→ 1545 में कालिंजर पर आक्रमण किया – (कीर्ति सिंह) – चंदेल शासक

Attacked Kalinjar in 1545 :- (Kirti Singh) – Chandela Ruler.

(बांदा उ.प्र.) – उक्का तोप का इस्तेमाल हुआ – गोला फटने से शेरशाह की मृत्यु हो गयी।

→ (Banda U.P) Ukka cannon was used – Sher Shah died due to explosion of the shell.

→ शेरशाह सूरी का मकबरा – सासाराम (बिहार)

Tomb of Sher Shah Suri – Sasaram (Bihar)

→ शेरशाह सूरी से सम्बंधित अन्य बातें – other things related to Shershah Suri.

→ भू – राजस्व व्यवस्था : पैदावार का 1/3 कर – (उत्पादन के आधार पर)

Land revenue System : 1/3 tax of produce (based on production)

↳ टोडरमल

→ पट्टा प्रथा शुरू की – (जिसे कबूलियत कहा गया)

Started the patta System – (called Kabuliyat)

शुद्ध चाँदी के सिक्के जारी किए — (वर्तमान स्वरूप)
Pure silver coins issued (current form)

सड़क - ए - आजम - (जी० टी० रोड) आकलैंड ने नामकरण किया।
Sadak - e - Azam (G.T. Road) - Auckland named.

रोहतासगढ़ के किले का निर्माण करवाया -
Built the fort of Rohtashgarh.

डाक सेवा का जनक -(प्रमुख - हेमू)
father of postal service (chief - Hemu)

गुप्तचर प्रणाली (प्रमुख - हेमू) - Intelligence System (chief - Hemu)

2. जलाल खाँ - इस्लाम शाह नाम से गद्दी पर बैठा।
Jalal Khan - Sat on the throne by the name of Islam Shah.

9 वर्ष शासन काल - (1545 - 1554) 9 year reign (1545-1554)
के समय कवि मलिक मोहम्मद जायसी
at the time of poet Malik Muhammad Jayasi.

3. फिरोज - 3 दिन (Firoz - 3 days)
फिरोज की हत्या मुबारिज खाँ ने कर दी।
Firoz was killed by Mubarik Khan.
↓
शेरशाह का भाई निजाम खाँ का पुत्र
Son of the Sher Shah's brother Nizam Khan.

मुबारिज खाँ (आदिलशाह) - शेरशाह सूरी का दामाद
Mubarik Khan - (Adilshah) - son - in - law of Sher Shah Suri.

→ सिकन्दर शाह - Sikandar Shah

सरहिन्द का युद्ध लड़ा एवं पराजित हुआ।
The battle of Sirhind was fought and defeated.

मुजारिब खाँ बहनोई - Mujarib Khan's brother-in-law.

6. अंतिम शासक - आदिल शाह सूरी
Last Ruler - Adil Shah Suri
सेनापति - हेमू
Commander - Hemu

→ दिल्ली की गद्दी पर अंतिम हिन्दू सम्राट
The last Hindu emperor on the throne of Delhi.

→ स्वयं को दिल्ली का स्वतंत्र सम्राट घोषित कर दिया।
Declared himself the Independent emperor of Delhi.

अकबर

→ जन्म - 1542 Born - 1542

बचपन का नाम - जलाल
Childhood name - (Jalal)
अर्श आशियानी Arsh Ashiyani

→ सबसे बड़ा शासनकाल - (1556 - 1605)
पालन पोषण - सुल्तान बेगम ने किया (अस्करी की पत्नी)
Brought up by Sultan Begum (Askari's wife)

→

→ बाबर की बहन – खानजादा बेगम (Babur's sister Khanzada Begum)
धाय माँ अनगा – midwife Anga

→ अकबर की पहली शादी – रुकैया बेगम से 1561 में की थी।
↳ हिन्दाल की बेटी।

Akbar first married – Ruqaiya Begum in 1561

→ 1555 के सरहिन्द के युद्ध में मुकुट धारित हुआ।
Crowned in the battle of Sirhind in 1555.
माता – हमीदा बानो बेगम (मरियम मकानी)
Mother – Hamida Banu Begum (Maryam Makani)

→ अकबर के 3 पुत्र थे। सलीम, मुराद, दानियाल
Akbar's 3 sons – Salim, Murad, Daniyal.

→ अकबर का शिक्षक – (अब्दुल लतीफ)
Akbar's teacher – Abdul Latif
शिराजी – (Shirazi)

→ अकबर का राज्याभिषेक – पंजाब के गुरदासपुर जिले में कलनौर में
Akbar's coronation – at Kalnaur in Gurdaspur district of Punjab.
ईंटों के सिंहासन पर हुआ (1556 में)

→ Ascended the Throne of Bricks in (1556)

विधि – अब्दुल कासिम ने पूरी की।
method – compleated by Abdul Kasim.

→ अकबर का संरक्षण – बैरम खाँ
Protection of Akbar – Bairam Khan (1556 – 1561)

→ (पानीपत का दूसरा युद्ध – 05 नवम्बर 1556)

अकबर Vs हेमू (हेमराज विक्रमादित्य)।
Akbar Vs Hemu (Hemraj Vikramaditya)
↓ अली आदिलशाह का सेनापति था हेमू।
(जीता won) Hemu was the general of Ali Adilshah.

→ 07 अक्टूबर 1556 को हेमू ने स्वयं को दिल्ली का सम्राट घोषित कर दिया।
On 07 October 1556, Hemu declared himself the emperor of Delhi.

→ हेमराज दिल्ली की गद्दी पर अंतिम हिन्दू सम्राट था।
Hemraj was the last Hindu emperor on the throne of Delhi.

→ बैरम खाँ (1556 - 1561) तक संरक्षक रहा लेकिन 1561 में माहम अनगा के कहने पर मक्का भेजा गया।
Bairam Khan (1556-1561) remained the protector but in 1561 he was sent to mecca at the behest of maham Anga.

→ अन्य नाम – खान बाबा
Other name – Khan baba

माहम अनगा का पुत्र → अधम खाँ
Son of maham Anga – ↓

जीजी अनगा का पुत्र → मिर्जा अजीज कोका
Son of Jiji Anga ↓

Adham Khan Mirza Aziz Koka
↓ (खान - ए - आजम)
Akbar's Dudhmuhan brother
(अकबर का दुधमुहां भाई)

→ मक्का जाते समय बैरम खाँ की हत्या - (Bairam Khan Killed on his way to mecca.
मुबारक खां ने कर दी थी - mubarak Khan Did.
पाटन गुजरात - Patan, Gujarat

→ उसके बाद बैरम खा की पत्नी सलीमा बेगम से अकबर ने शादी कर ली, और उसके पुत्र अब्दुर्रहीम खान - ए - खाना को पुत्र का दर्जा दिया।
After this, Akbar married Salima begum, wife of Bairam Khan, and gave the status of son to his son Abdurrahim Khan-e-Khana.

→ उसकी हत्या के बाद 2 प्रधानमंत्री नियुक्त हुये।
After his assassination 2 Prime ministers were appointed.
माहम अनगा (Maham Anga)
शिहाबुद्दीन (Shihabuddin)

→ 1560 - 1562 - पेटीकोट शासन / स्त्रैण शासन / पर्दाशासन / हरमदल
1560 - 1562 - Petticot rule / feminine rule / Pardashasan / Harandal

→ 1562 - मे अकबर हरमदल से मुक्त हुआ।
in 1562 - Akbar was freed from Harandal.

→ 1562 में - बाल विवाह, दास प्रथा, सती प्रथा खत्म किया।
in 1562 - ended child marriage, slavery, sati system.

→ 1563 में - तीर्थ यात्रा कर खत्म
Piligrimage tax abolished in 1563.

→ 1564 में जजिया कर खत्म / अकबर के खिलाफ पहला विद्रोह उज्बेग
in 1564 - Jizya tax abolished / Uzveg the first rebellion against Akbar.

→ 1575 - इबादत खाना का निर्माण
1575 construction of Ibadat Khana.

चर्चाघर - (बृहस्पतिवार) को - discussion hall (on Thursday)

मे जैन धर्म से - शांतिचंद्र, भानुचंद्र, विजयसेनसूरी, हरिविजय सूरी
In Jainism Shantichandra, Bhanuchandra, Vijaysensuri Harivijay Suri

→ मे ईसाई से - मोना सिरेट
from may christian - mona Siret

→ हिंदू पुरुषोत्तम दास - Hindu - Purushottam Das

1579 - मजहर की घोषणा - (सम्राट का आदेश सबसे ऊपर)
1579 - Proclamation of mazhar - (Emperor's order at the top)

→ 1582 - दहशाला प्रथा (टोडरमल द्वारा शुरू करवाई गई)
1582 - Dahsala System (Introduced by Todarmal)

अकबर के 9 रत्न

1. बीरबल (महेशदास) — Birbal (maheshdas)
(Death) मृत्यु - 1585 में

2. अबुल फजल (अकबरनामा पुस्तक लिखी)
Abul fazal (wrote Akbarnama Book)
का 3rd भाग - आइने अकबरी
Part to 3 of - mirror Akbari

3. फैजी :- चिकित्सक (faizi :- Doctor

4. टोडरमल :- राजस्वमंत्री
Todarmal :- Revenue minister

5. अब्दुर्रहीम खान - ए - खाना
Abdurrahim Khan - e - Khana

अकबर के नौरत्न

B — बीरबल
A — अबुल फजल
T - तानसेन
B — भगवान दास
A - अब्दुल रहीम खान - ए - खाना
T - टोडरमल
M - मानसिंह
D - मुल्ला - दो - प्याजा
H . हकीम हुमाम

उपाधि – गुजरात विजय के उपलक्ष्य में
Degree on the occasion of victory.

अब्दुर्रहीम ने बाबरनामा का फारसी में अनुवाद किया
Abdurrahim Translated Babarnama in to Persian.

6 तानसेन (तन्नामिश्रा, रामतनु पाण्डेय)
Tansen (Tannamishra, Ramatanu Panday.)
रचना – गणेश स्तोत, मियां की मल्हार, रागमाला
समाधि – ग्वालियर - Samadhi - Gwalior
दरबारी कवि - court Poet
मानसिंह – mansingh
मुल्ला दो प्याजा – mulla Do Pyaja
फकीर अजाउद्दीन – fakir Ajauddin
महाभारत और रामायण का फारसी में अनुवाद – बदायूनी (रजमनामा से)
Translation to Mahabharata and Ramayana Persian – Badaayuni (from Rajmanama)
अकबर ने जगतगुरु की उपाधि – हरिविजय सूरी
Akbar gave the title of Jagatguru - Harivijay Suri
योगगुरु की उपाधि – जिनभद्र सूरी
Yogguru title – Jinbhadra Suri
सूर्य नमस्कार सीखा – दस्तूर जी राणा
Surya namaskar learned - Dastur Rana
के समकालीन कवि – तुलसीदास
Contemporary poet – Tulsidas

अकबर - अब्दुन्नबी की चप्पले अपने सिर पर उठाता था।
Akbar - Abdunnavi's chappals.

जहाँगीर (1605 - 1627)

बचपन का नाम - सलीम (childhood name - Salim)

माता - जोधाबाई (आमेर) mother - Jodhabai (Amer)

पिता - अकबर father - Akbar

का पुत्र - खुसरो (माता का नाम - मानबाई)
Son of Khusro (mother's name - Manbai)

खुर्रम (माता का नाम - जोधाबाई (उदयपुर)
Khurram (mother's name - Jodhabai) udaipur

परवेज - Parvez

शहरयार - Shahriyar

1606 मे खुसरो ने जहाँगीर के खिलाफ विद्रोह किया
Khusro revolted against Jahangir in 1606.

खुसरो का साथ देने वाले -
Supporters of Khusro -

1- अब्दुलरहीम (लाहौर का दीवान)
(Abdul Rahim Diwan of Lahore)

2- हसन बेग (आगरा का दीवान)
Hasan Beg (Diwan of Agra)

3- सिक्खों के 5th गुरु - अर्जुन देव
5th Guru of Sikhs = Arjun Dev

अर्जुन देव
↓
इनकी हत्या जहाँगीर ने करवाई
kill them Jahageer got it done.

गुलाब की कुप्पी से इत्र का आविष्कार किया
↑

1611 मे मेहरुन्निसा की शादी जहाँगीर से हुई।
Mehrunnisha was married to Jahagir in 1611.
↓
शेर अफगान की विधवा थी - She was the widow of Afgan.
↓
की बेटी लाडली बेगम की शादी जहाँगीर के पुत्र शहरयार से हुयी।
daughter Ladli Begum was married to Jahageer's Son Shahriyar. -
↓

खान-ए-सामा की उपाधि - पिता - मिर्जा गयास बेग
भाई आसफखाँ
father - mirza Ghiyas Baig.

→ जहाँगीर द्वारा → उपाधि - एतमाउद्दौला - जहाँगीर ने दी थी।
Title by Jahangir - Etmauddaula - Jahangir had given it.
↓
एतमाउद्दौला का मकबरा
Tomb of Etmauddaulah
↓
आगरा (यूपी) Agra (U.P)

→ सफेद संगमरमर से बनी पहली इमारत
first white marble building.

→ इसमे पित्राद्रा शैली का इस्तेमाल हुआ है।
Pitradura style has been used to this.

→ इसे Baby Taj भी कहते है।
It is also called Baby Taj.

→ मेहरुन्निसा की माता - अस्मत बेगम
Mehrunnisa's mother - Asmat Begum
↓
गुलाब से इत्र की विधि
(Recipe for Perfume from Rose)

को नूर-ए-जहाँ की . of Noor-e-Jahan
उपाधि जहाँगीर ने दी — The title was given by Jahangir

→ सलीम की न्याय की जंजीर के लिए जाना जाता है।
Salim is known for his chain of justic.

→ इस जंजीर मे 60 घंटिया थी। यह आगरा में है।
There were 60 Bells in this chain. It is in Agra.

→ जहाँगीर ने ही अंग्रेजो को व्यापार के लिए दस्तावेज दिया।
It was Jahangir who gave documents to the British for trade.

→ जहाँगीर के समय आने वाला अंग्रेज –
The British who came at the time of Jahagir.

1608 – हॉकिन्स (सूरत आया) Hawkins appeared.
इसको जहाँगीर ने अंग्रेज खान की उपाधि दी, 400 का मनसब बनाया।
Jahangir gave him at the title of English Khan made him a mansab of 400.

→ 1611 मे मिडल्टन आया – middleton came in 1611
1612 मे पॉल कैनिंग & एडवर्ड आये।
in 1612 Paul Canning – Edward came.
1615 मे थामस रो आया – in 1615 came Thomas Roe.
जहाँगीर की मृत्यु 1627 मे हुई – Jahangir died in 1627.
मकबरा – लाहौर Tomb – Lahore

→ जहाँगीर की आत्मकथा – तुजुक-ए-जहाँगीरी (फारसी भाषा में)
Autobiography of Jahagir – Tuzuk-I-Jahangiri (in Persian language)
↓
→ पूरा किया था – (मोतीमिंद खाँ ने)
was compleated by – Matibind Khan

→ जहाँगीर का समय चित्रकला का स्वर्णकाल था।
Jahangir's time was the golden age of Painting.
चित्रकार – फर्रुख बेग, दौलत खाँ
Painter — farrukh Baig, Daulat Khan.

→ जहाँगीर की मृत्यु के समय सिर्फ दो पुत्र खुर्रम और शहरयार जीवित थे।
At the time of Jahangir's death only two sons Khurram and Shahariyar were alive.
↓
शाहजहाँ

शाहजहाँ (1627 - 1658)

→ बचपन का नाम - खुर्रम (जहाँगीर ने शाहजहाँ को कहा था।
childhood name - Khurram (Jahangir called Shahjahan.)

माता - जगत गोसाई (जोधाबाई) mother - Jagat Gosai (Jodhabai)

पत्नी - अर्जुमंद बानो बेगम (मुमताजमहल) - कुल 14 बच्चे हुये।
wife - Arjumand Banu Begum (mumtaz mahal) had 14 children in total.

(7 जीवित बचे थे)

4 बेटे		3 बेटी
→ पंजाब का सूबेदार -	दाराशिकोह	1. जहाँआरा
बंगाल का सूबेदार -	शाहशुजा	2. रोशनआरा
दक्षिण का सूबेदार -	औरंगजेब	3. गौहनआरा
गुजरात का सूबेदार -	मुरादबख्श	

→ शाहजहाँ का राज्यभिषेक आगरा में हुआ -
The coronation of Shah Jahan took place in Agra.

1628 में राजधानी आगरा बनाई।
made Agra the capital in 1628.

1638 में राजधानी वापस दिल्ली बनाई -
in 1638, the capital was shifted back to Delhi.

→ 1628 में शाहजहाँ के खिलाफ - पहला - विद्रोह - खान - ए - जहाँ लोदी ने किया जिसे हटाकर उसकी जगह महावत खाँ को दक्कन का सूबेदार बनाया।
In 1628 the first rebellion against Jahan was done By Khan - I - Jahan Lodi, who was removed and replaced by Mahavat Khan as the Subedar of The decan.

→ बुंदेलखंड विद्रोह - 1628 (Bundelkhand rebellion - 1628)

1632-33 मे अहमदनगर जीता - won Ahmednagar in 1632-33

1636 मे गोलकुंडा जीता - Golconda won in 1636

शाहजहाँ के समय विदेशी → foreigners at the time of Shah Jahan.

पीटरमुंडी, निकोलस, मनूची, - इटली
Pietromundi, Nicolas, manucci, Italy

→ फ्रांसिस, बर्नियर, ट्रेवेनियर - फ्रांस
Francis, Bernier, Trevenier, France
↓ Doctor ↓ व्यापारी

दरबारी कवि (Court Poet)

अबू कालीन, पंडित जगन्नाथ, की पुस्तक, गंगालहरी
Book of Abu Kaleen, Pandit Jagannath, Gangalhari

अब्दुल हमीद लाहौरी की पुस्तक - पादशाह नामा
Book of Abdul Hameed Lahori - Padshahnama

→ शाहजहां के समय स्थापत्य कला का स्वर्ण युग कहते हैं।
The time of Shah Jahan is called the golden age of architecture.

निर्माण कार्य - Construction works

ताजमहल (Taj-mahal) - (1631-1653)

→ डिजाइन - अहमद लाहौरी
Design - Ahmad Lahori

निर्देशन - ईशा खाँ - (Direction - Isha Khan

ROJGAR WITH ANKIT

1983 - Unesco की विश्व विरासत सूची में शामिल

1983 - Included in the world Heritage List of Unesco.

औरंगजेब (1658-1707)

- दिल्ली की गद्दी पर दूसरा सबसे लम्बा शासनकाल
  Second longest reign on the throne of Delhi.

उपाधि - बहादुर, जिंदापीर, आलमगीर
Title - Bahadur, Zindapir, Alamgir

२- राज्याभिषेक - 31 जुलाई 1658 - आगरा
31 जुलाई 1658 - Agra
15 जुलाई 1659 - दिल्ली
15 July 1659 - Delhi

शिक्षक - लतीफ सुल्तानपुरी Teacher - Latif Sultanpuri
माता - मुमताज महल mother - mumtaz mahal
पिता - शाहजहाँ
पत्नी - दिलरासबानी बेगम (रबिया उर दुर्रानी

अपनी पत्नी की याद में
in memory of his wife.

- संभा जी नगर (महाराष्ट्र) में बीवी का मकबरा बनवाया
  wife's in Sambhaji nagar (maharashtra) got the tomb of built.
- और इसे ही दक्षिण का ताजमहल, और ताजमहल की फूहड़ नकल
  And this is the Taj mahal of South, and said to be
- कहा जाता है।
  clumsy copy of the Tajmahal.

निर्माणकर्ता - औरंगजेब का पुत्र आजम शाह
Builder - Aurangzeb's son Azamshah.
डिजाइन - अहमद लाहौरी के पुत्र अतउल्लाह -
Design - Attullah son of Ahmed Lahori.

- औरंगजेब ने – नौरोज उत्सव, चित्रकारी, झरोखा दर्शन,
  Aurangzeb - nowruz festival, Painting, Jharokhadarshan.
- सिक्कों पर कलमा, राजपूत टीका
  Kalma, Rajput Commentary on coins.
- ज्योतिष, सती, दास, नाचना, गाना, सब बंद करवा दिये।
  Astrology, Sati, Slaves, dancing, and singing were all stopped.
- सिक्खों के 9 वें गुरु – तेग बहादुर को मृत्युदण्ड दिया था। (हिन्दू की चादर)
  9th Guru of Sikhs – Tegh Bahadur was given death sentence
- 1665 मे हिन्दू मंदिरों को तोड़ने का आदेश –
  orders to demolish Hindu temples in 1665 –
- 1670 मे असम विजय (श्रेय – मीर – जुमला)
  Assam conquest in 1670 (credit - mir jumla)
  1686 मे आदिलशाह के पुत्र सिकन्दर शाह से बीजापुर जीता
  in 1686, Bijapur was won by Adilshah's son Sikandrashah.
- 1687 मे गोलकुण्डा जीता
  Golconda won in 1687.
- औरंगजेब के समय हिन्दू मनसबदार - 33%
  Hindu mansabdar at the time of Aurangzeb. (33%)
- औरंगजेब के समय सूबे की संख्या 20 हो गई।
  At the time of Aurangzeb, the number of provinces increased to 20.
- दिल्ली में बैतूल उलूम पुस्तकालय बनवाया –
  Built Batul uloom Library in Delhi.
- कुशल वीणा वादक था।
  He was an accomplished veena player.

- औरंगजेब के समय आये विदेशी – थेवेनॉट (फ्रांसीसी)
  foreigners who came during Aurangzeb. = Thevenot (French)
  गेमल केरी (इटली)
  Gemal Kareri (Italy)
  जॉन फ्रायर (अंग्रेज)
  John Fryer (English)

- औरंगजेब के अन्य निर्माण कार्य – बादशाही मस्जिद (लाहौर)
  Other construction works of Aurangzeb.
  Badshahi masjid (Lahore)
  मोती मस्जिद (लाल किला)
  Moti masjid (Red fort)
  यह दिल्ली के लाल किले में है सफेद संगमरमर से बनी हुई।
  It is in the red fort of Delhi made of white marble.

- 1679 मे पुनः जजिया लगाया था।
  Jajiya was again imposed in 1679.
  औरंगजेब के समय जाट विद्रोह –
  Jat rebellion during Aurangzeb.
  गोकुल – 1669
  राजाराम – 1685 → अकबर जहाँगीर की अस्थियां निकलवा दी।
  चूड़ामन (आगरा यूपी)
  Churaman (Agra U.P)

- औरंगजेब की मृत्यु – 1707 मे हुई
  Death of Aurangzeb in 1707
  मकबरा – शंभाजी नगर (MH)
  Tomb – Shambhaji Nagar. (MH)

(आधुनिक भारत का इतिहास)

- बहादुर शाह प्रथम (1707-12)

उपनाम – वृद्ध शासक (old Ruler)
शाह-ए-बेखबर (Shah-E-Bekhabar)
शाह-आलम-प्रथम – Shah Alam

- वास्तविक नाम – (Real name) – मुअज्जम (muazzam)

1707 मे इसने उत्तराधिकार का युद्ध (जाजऊ के युद्ध) अपने भाई कामबख्श को हराया था – गुरु गोविंद सिंह की मदद से
in 1707 he defeated his brother Kambaksh in the war of succession (Battle of Jajau) with the help of Guru Gobind Singh.

- बीबी फिदवा की उपाधि जूलियाना को दी गई-
The title of Bibi fidwa was given to Juliana'

- जहांदर शाह (1712-13)
लम्पट मूर्ख (Dissolute fool)

- फर्रुखशियर (1713-19)
घृणित शासक (Disgusting Ruler)
लक्ष्मण दास (बंदा बहादुर)
Laxman Das (Banda Bahadur)

- इसके समय अंग्रेज शिष्ट मण्डल जिसके अध्यक्ष (जॉन सेमन) थे
At that time the British delegation headed by John Sermon.
भारत आया - 1715 में
came to India – in 1715

- डॉक्टर – हैमिल्टन Doctor – Hamilton

- फर्रुखशियर ने 1717 में अंग्रेजों को व्यापार करने के लिए मैग्नाकार्टा (घोषणा पत्र) जारी कर दिया।
  in 1717 Issued the magnacarta (declarationletter) to the British to do business.
- इसके वजीर किंगमेकर (हुसैन अली और अब्दुल्ला थे)
  Its wazirs were kingmakers (Hussan Ali and Abdullah)
- सैयद बन्धु – इन्हीं को श्रेय जाता है फर्रुखशियर को गद्दी पर बिठाने के लिये।
  Sayyad Bandhu – Credit goes to them for making farrukhshiar sit on the throne.
- रफी-उद-दर्जत (1719) Rafi-ud-Darjat (1719)
- रफी-उद-दौलत (1719) Rafi-ud-Daulat (1719)
- नेकिसुयार (1719) (Nephisuyar) 1719
- मो० शाह रंगीला (1719-48) mau shah Rangila –
- चिनकिलिच खाँ (आसफजाह) ने मिलकर सैयद बन्धुओं का खात्मा किया।
- Together with chinalich Khan (Asaf jahan), he destroyed the sayyid brothers.
- जजिया को पूर्णतः खत्म कर दिया।
  Anal Jajiya was completely abalished.
- मो० शाह रंगीला के समय बने स्वतंत्र राज्य –
- Independent states became at the time of Rangeela.
- हैदराबाद – आसफजाह – Hyderabad – Asafjah
  अवध सुआदत खाँ – Awadh – Saadat Khan

- बंगाल — मुर्शिद कुली खाँ - Bengal - Murshid Quli Khan
- मथुरा, भरतपुर - बदन सिंह Mathura - Bharatpur - Badan Singh

- 1737 में बाजीराव प्रथम ने दिल्ली पर आक्रमण किया।
  Bajirao I attacked Delhi in 1737
- 1739 में दिल्ली पर नादिरशाह (ईरान का नेपोलियन) ने आक्रमण किया।
  in 1739 Delhi was attacked by Nadirshah (Napoleon of Iran.
- कोहिनूर हीरा (Kohinoor Diamond)
  तख्ते ताऊस Frames taus
  70 करोड़ के जवाहरात 70 crore gems

→ अहमदशाह — 1748-54)

- आलमगीर II (1754 – 1759) अजीजुद्दीन (Aziz-uddin)
- शाहआलम II – (1760 – 1806) - तीसरा सबसे लम्बा शासनकाल
  राजा राममोहन राय को राजा की उपाधि —
- अकबर II - (1806 - 37) = द्वितीय अंतिम मुगल बादशाह
  2nd last mugal emperor.

- बहादुरशाह जफर द्वितीय — (1837 - 57)
- अंतिम मुगल बादशाह — last mughal emperor.
- 1857 की क्रांति में कैद करके रंगून (म्यांमार) भेज दिया गया।
- was Imprisoned in the revolution of 1857 and sent to Rangoon.
- जफर नाम से कविताएँ लिखता था।
  used to write poems under the pen name Zafar.

ROJGAR WITH ANKIT

- दरबारी कवि - मिर्जा गालिब court poet - mirza Ghalib
  वहीं 1862 मे मृत्यु हो गई थी।
  There he died in 1862

History

→ Arrival of Europens → यूरोपीय आगमन

P - पुर्तगाली → 1498 → वास्को डि गामा

D - डच → 1596 → कॉर्नेलियस हाउटमैन

A - अंग्रेज → 1600 → कैप्टन हॉकिन्स

D - डेनिस → 1616 → ओवेगेजेदो / सिलोन

F - फ्रांसीसी → 1664 → फ्रांसिस कैरो

भारत के लिए समुद्री मार्ग की खोज :

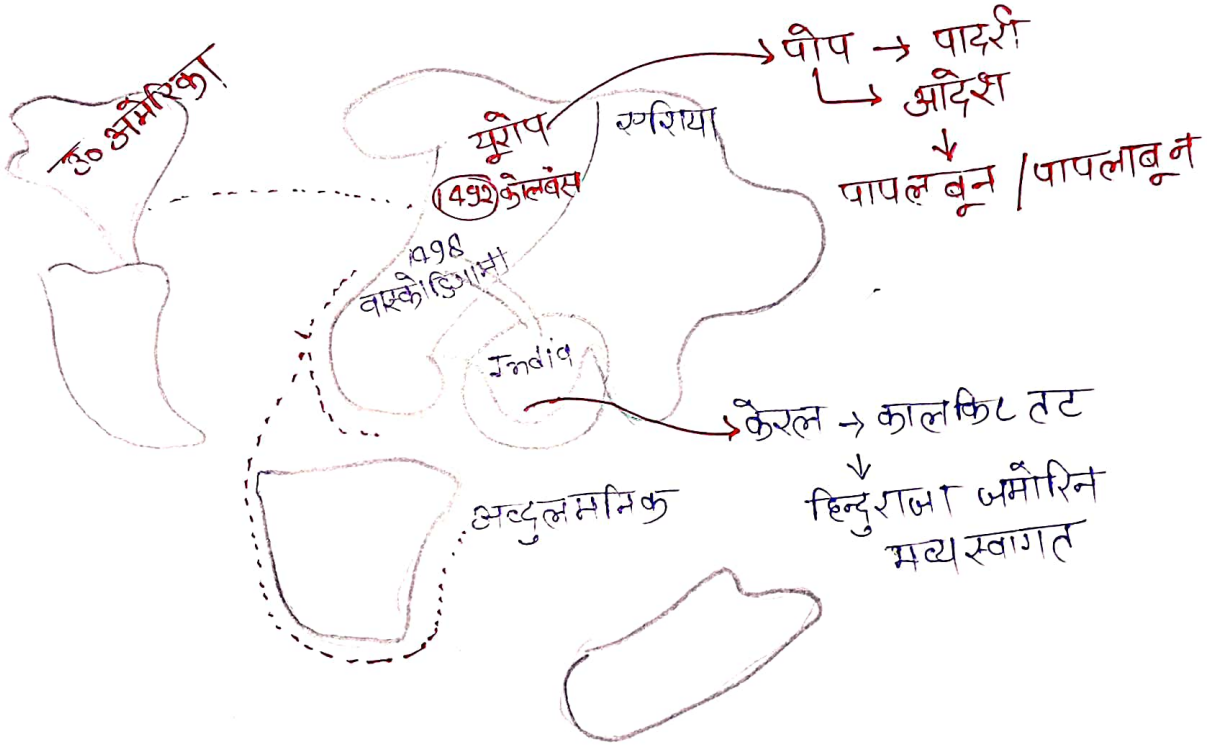

→ वास्को - डि - गामा Vasco - da - Gama →

↳ यूरोप के पोप के आदेश पर 1498 ई० वास्कोडि-गामा भारत के साथ समुद्री मार्ग की खोज के लिए भारत आया।

↳ सहायता (Help) → गुजराती नाविक अब्दुलमनिक
↳ स्थान (Location) → केरल के कालकिट तट पर
↳ स्वागत (Welcome) → हिन्दू राजा जमोरिन

→ वापस आते समय वास्को - डि- गामा अपने साथ मसाले (Spices) वापस ले गया था। जिसमे उसे 60 गुना मुनाफा (60 times Profit) हुआ

→ 1498, 1502, 1524 ई० → तीन बार वास्को डिगामा भारत आया था।

East India Company of Bangal Rules
(ईस्ट इंडिया कम्पनी और बंगाल का शासक)

→ बंगाल ⇒ पै. बंगाल + बिहार + ओडिसा + बांग्लादेश
Bangal ⇒ W.B + BR + ODISA + Bangladesh

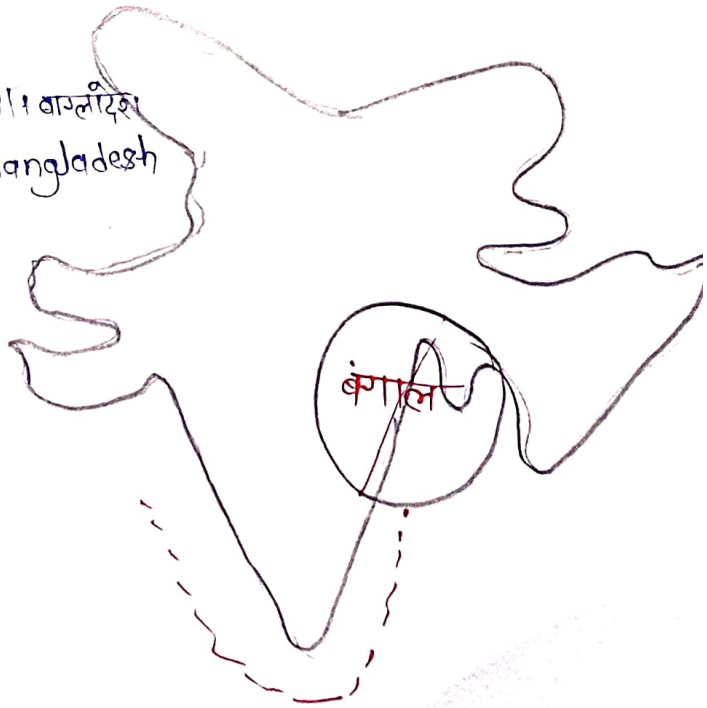

→ 1701 औरंगजेब ने मुर्शीद कुलीखाँ बंगाल का सुबेदार
↓
शुजाऊद्दीन
↓
सरफराज

अलीवर्दी खाँ
↳ अंतिम साहसी शासक था।
अंग्रेजो पर नियंत्रण।

→ अलीवर्दी खाँ → नाती / उत्तराधिकारी / Succesor
↳ सिराजुद्दौला
↓
अंग्रेजो की तुलना
↳ मधुमक्खी

→ यदि इन्हे छेड़ा न जाए तो ये शहद देगी
और यदि छेड़ा जाए, तो काट - काट के मार देगी।

प्लासी की प्रष्ठभूमी → BACKGROUND of PLASI →

शौकत जंग — चचेरा भाई (मरवा दिया)
घसीटी बेगम — मौसी (जेल)
मीर जाफर
→ सिराज → ये तीनो सिराज के खिलाफ षड़यंत्र रच रहे थे।
↳ मीर जाफर को सेना पति बनवादिया।

→ Battle of Plasi → प्लासी का युद्ध →

क्लाइव ⟶ 23 जून 1757 सिराजुद्दौला
↳ मीरजाफर, यारलतीफ, रायदुर्लभ

इसे दिखावा / षड्यंत्र युद्ध कहा गया।
↳ सिराज की मृत्यु।

→ Battle of Plasi → प्लासी का युद्ध →

क्लाइव → 23 जून 1757 सिराजुद्दौला
↳ मीरजाफर, यारलतीफ, रायदुर्लभ

इसे दिखावा / षडयंत्र युद्ध कहा गया।
↳ सिराज की मृत्यु।

Battle of Baxar - बक्सर का युद्ध -

प्लासी के युद्ध के बाद अंग्रेज Kingmaker की भूमिका में आ गये थे।

1760 ई० मीरजाफर ने परेशान होकर अपना सिंहासन (Throne) अपने दामाद (Son-in-law) मीर कासिम को सौंप दिया।

सैन्य गठबंधन - मीर कासिम
मुगल - शाहआलम II
अवध - शुजाउद्दौला
} Vs (अंग्रेज हेक्टर मुनरो)
22 oct 1764

यह युद्ध अंग्रेजों की श्रेष्ठता का प्रतीक था।
और यह अंग्रेजों का वास्तविक विजय थी।

ROJGAR WITH ANKIT

1857 की क्रांति (Revolution of 1857)

प्रतीक चिन्ह Symbol – कमल एवं रोटी –

Reason – कारण

- आर्थिक कारण
- धार्मिक कारण
- राजनीतिक कारण
- सैनिक कारण

तात्कालिक कारण – Pressent Reason –

1856 ई० पुरानी ब्राउनबेस बंदूकों के स्थान पर new enfield राइफल्स लॉंच की गई।
इन बंदूकों के कारतूस मुंह से खोलने होते थे।
लेकिन अफवाह चली

बंगाल कमान में उस समय 3 छावनियाँ थी।
1. बैरकपुर
2. बहरामपुर
3. दमदम

29 मार्च 1857 ई० बैरक छावनी में स्थित मंगलपाण्डे ने एक अंग्रेज अधिकारी को गोली मार दी।
8 अप्रैल 1857 ई० मंगल पाण्डे को फांसी दे दी गई।
10 may 1857 मेरठ के कालीपलटन मंदिर में क्रांति की शुरुआत हुई

भारतीय नेतृत्वकर्ता	केन्द्र	दमनकर्ता
बहादुरशाह जफर एवं बख्त खां	दिल्ली	जॉन निकलसन एवं हडसन
नाना साहेब एवं तात्या टोपे	कानपुर	कैम्पबेल
बेगम हजरत महल	लखनऊ	कैम्पबेल
रानी लक्ष्मी बाई	झांसी	ह्यूरोज
लियाकत अली खान	इलाहाबाद व बनारस	कर्नल नील
खान बहादुर खान	बरेली	कैम्पबेल
कुंवर सिंह	बिहार	विलियम टेलर

भारतीय क्रान्तिकारियों में वही औरत सुमन मर्द थी।
- ह्यूरोज

(Division of Bangal. / बंगाल का विभाजन)

बंगाल = प० बंगाल + बांग्लादेश + बिहार + ओडिशा
BANGAL = W.B + BANGLADESH + BR + ODISA

वजह (Reason) - प्रशासनिक असुविधा
Administrative Disturbance.

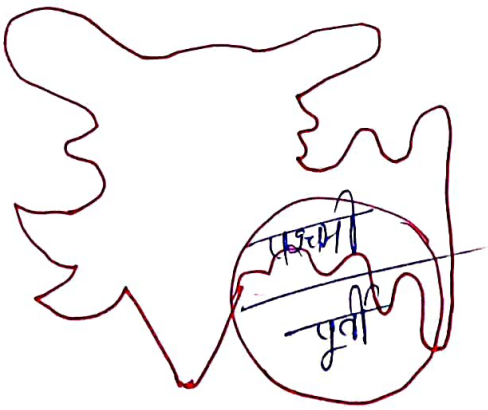

→ देश की कुल आबादी – 40 करोड़

→ बंगाल की कुल आबादी – 8 करोड़

→ घोषणा (Announcement) – 20 July 1905

→ लागू – 16 oct 1905

→ वायसराय (Voiceroy) – कर्जन

→ राज्य सचिव State Secretary) – रिजले

→ (Aim) उद्देश्य – साम्प्रदायिकता का जन्म

→ स्वदेशी आन्दोलन चलाया गया।

→ 1911 ई० बंगाल विभाजन रद्द।

ROJGAR WITH ANKIT

भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस Indian National Congress

संस्थापक (Founder) - A. O ह्यूम
एलन ओक्टेवियन ह्यूम
ICS अधिकारी
भारत और भारतीयों से लगाव था।
स्कॉटलैण्ड के निवासी थे।

ब - बम्बई 1885 ई० - W.C बनर्जी
क - कलकत्ता 1886 - दादा भाई नैरोजी
म - मद्रास 1887 बदरूद्दीन तैयबजी
इ - इलाहाबाद 1888 - जार्ज यूले
ब - बम्बई 1889
क - कलकत्ता 1890
न - नागपुर 1891
इ - इलाहाबाद 1892

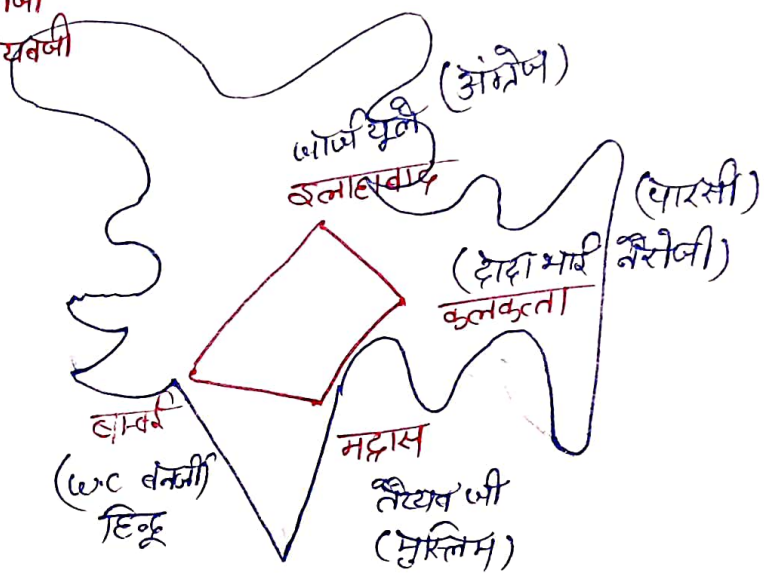

अधिवेशन	वर्ष	स्थान	अध्यक्ष	विशेष
12 वाँ	1896	कलकत्ता	M A सयानी	वंदे मातरम् गाया गया।
21 वाँ	1905	बनारस	गोखले	बंगाल विभाजन
22 वाँ	1906	कलकत्ता	दादा भाई नैरोजी	स्वराज शब्द का प्रयोग किया
23 वाँ	1907	सूरत	रास बिहारी बोस	कांग्रेस का विभाजन
33 वाँ	1927	लखनऊ	एनी बेसेंट	प्रथम विदेशी महिला अध्यक्ष
40 वाँ	1924	बेलगांव कर्नाटक	गांधी जी	पहली बार गांधी जी ने अध्यक्षता की

ROJGAR WITH ANKIT

रालेट एक्ट (Rollet Act – 1919)

कमेटी (commetlie) – 1917

रिपोर्ट (Report) – 1918

लागू – (1919)

काला कानून – (Black law)

क्यों कि मजिस्ट्रेट को असीमित अधिकार दे दिये गये थे

→ इसे बिना अपील बिना दलील बिना वकील वाला कानून कहा गया।

→ 30 मार्च 1919 पहला विद्रोह इस कानून के खिलाफ दिल्ली में स्वामी श्रद्धानंद ने किया था।

→ और गांधी ने तय किया कि 6 Apr 1919 ई० में देश व्यापी हड़ताल करेंगे।

(गांधी युग GANDHI ERA)

→ जन्म (Birth) - 2 Oct 1869

माता (mather) - पुतली बाई

पिता (father) करमचंद गांधी

पत्नी (wife) कस्तूरबाई

पुत्र (Son) हरिलाल, मणिलाल
रामदास, देवदास

लंदन (London) - 1888

दक्षिण अफ्रीका - 1893

भारत कब लौटे - गोपाल कृष्ण गोखले

दादा जी - उत्तम चंद गांधी

→ चम्पारण आन्दोलन (champaran movement) - 1917 ई०

→ बिहार के नील की खेती के लिये तिनकठिया पद्धती लागू की थी।

→ बिहार के किसान नेता राजकुमार शुक्ल ने गांधी जी को बुलाया।

गांधी जी ने अवैध वसूली गई रकम से 25% वापस करने का फैसला लिया।

→ अहमदाबाद मील आन्दोलन (Ahemdabad mill movement 1918 ई०

अहमदाबाद के cotton textile mill के मालिक एवं मजदूरों के मध्य प्लेग बोनस को लेकर विवाद चल रहा था।

वहां गांधी जी आए और पहली बार अनशन पर बैठे और 35% प्लेग बोनस देने पर सहमती हुई।

→ खेड़ा अन्दोलन Kheda movement 1918 ई०

→ खेड़ा के किसानो की सूखे के चलते फसले सूख गई थी लेकिन अंग्रेज अभी भी लगान वसूली कर रहे थे। केवल वही किसान लगान देंगे जो देने में समर्थ है।

→ जलियावाला बाग हत्याकाण्ड – (13 Apr 1919)

डा० सत्यपाल डा० सैफुद्दीन किचलू

→ 20000 हजार लोग जलिया वाले बाग में शान्तिपूर्ण सभा आयोजित कर रहे थे।

→ बैसाखी के दिन शाम 4 बजे जनरल डायर ने आकर अपने सैनिको की सहायता से निहत्थे लोगो पर गोलिया चलवा दी।

→ 1200 से अधिक लोग मारे गये।

→ दिखावे के तौर पर हण्टर (Hunter) कमेटी का गठन किया गया।

8 सदस्य 3 भारतीय 5 अंग्रेज

कांग्रेस ने तहकीकात कमेटी का गठन किया।

→ असहयोग आन्दोलन Non Coprative movement - 1920

Symbal - प्रतीक चिन्ह - खादी और चरखा।

4 Aug 1920 असहयोग आन्दोलन शुरू हुआ

→ सरकारी स्कूलो, सरकारी उपाधियों, अदालतो, विदेशी वस्तुओ आदि का बहिष्कार (Bycott)

C.R दास इस आन्दोलन में विदेशी बन गये थे।

→ 5 feb 1922 उत्तरप्रदेश गोरखपुर जिले के चौरी - चौरा स्थान पर 22 पुलिसकर्मी के मरने पर इस आन्दोलन को समाप्त कर दिया गया।

→ 12 feb 1922 ई० गुजरात स्थित इस आन्दोलन को वापस ले लिया गया।